RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:144 ता. 03 दिसम्बर 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कैसी रहेगी दिल्ली की सर्दी? IMD ने यूपी और हरियाणा-पंजाब के लिए भी कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में ठंड ने दस्तक दे दी है। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी से कई इलाकों में तापमान माइनस में चला गया है। वहीं, मैदानी हिस्सों में पछिया हवा ने भी पारे को लुढ़का दिया है। हालांकि, मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में इस साल कम ठंड पड़ सकती है। जाड़े के महीनों में इन राज्यों का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने गुरुवार को कहा कि उत्तर पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में दिसंबर, जनवरी और फरवरी में दिन के समय में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की उम्मीद है। वहीं, दक्षिण और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में इस दौरान तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। इसका मतलब यह हुआ कि इन हिस्सों में इस साल अधिक ठंड पड़ने की संभावना है। महापात्रा ने कहा कि जलवायु संबंधी कारणों और पूर्वी हवाओं के प्रसार के कारण अधिकतम तापमान के सामन्य से अधिक रहने की उम्मीद है। महापात्र ने कहा कि एमएमसीएफएस और अन्य वैश्विक मॉडल बताते हैं कि आने वाले सर्दियों के मौसम में ला नीना की स्थिति जारी रहने की संभावना है। प्रशांत महासागर के ऊपर अल नीनो भी भारतीय जलवायु को प्रभावित करते हैं। दिसंबर के दौरान अधिकतम तापमान पूर्व और पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकांश हिस्सों और मध्य और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में इसके सामान्य से कम अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। पूरे देश में दिसंबर के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है।

आजम खान क्यों नहीं संभाल पा रहे जुबान, पहले भी बिगड़े बोल से उठ चुका है तूफान; फिर से फंसे

नई दिल्ली। जया प्रदा पर विवादित बयान हो या फिर लोकसभा में चेयर संभाल रहीं रमा देवी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की बात हो। आजम खान अपने बिगड़े बोलों के चलते बुरी तरह घिरे हैं और उन्हें चौतरफा आलोचना का सामना करना पड़ा है। अपने तीखे बयानों के चलते चर्चा में रहने वाले आजम खान की विधानसभा की सदस्यता भी 2019 के एक भड़काऊ भाषण के चलते ही गई है। इसी के चलते रामपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। लेकिन आजम खान अब भी अपनी जुबान संभालकर बोलते नहीं दिख रहे हैं। एक बार फिर से उनके एक बयान पर विवाद हुआ है। महिलाओं ने विरोध किया है और केस तक दर्ज करा दिया है। साफ है कि आजम खान भले ही सियासी गर्दिश में हैं, लेकिन उनका अंदाज-ए-बयां बदला नहीं है।

अपने तीखे बयानों के चलते चर्चा में रहने वाले सपा के दिग्गज नेता आजम खान की विधानसभा की सदस्यता भी 2019 के एक भड़काऊ भाषण के चलते ही गई है। इसी के चलते रामपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है।

बच्चा पैदा होने से पहले पूछता... बिगड़े बोल पर फिर फंसे आजम, केस दर्ज-आजम खान ने 29 नवंबर को रामपुर के शुतरखाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था, आज मेरे साथ या हमारे लोगों के साथ हो रहा है, उसका इंतकाम लेने के लिए जरूर कोई पैदा होगा। भले ही मैं तब रहूं या न रहूं, लेकिन आप तो रहेंगे ही। जैसा सलूक आज मेरे साथ हो रहा है, अगर वैसा मैंने 4 सरकारों में किया होता तो बच्चा मां के पेट से पैदा होने से पहले पूछता बाहर निकलना है या नहीं। उनके इस बयान पर काफी विवाद हुआ था और अब वह कानूनी मुश्किलों में भी घिर गए हैं। अब शहनाज नाम की महिला ने आजम खान के खिलाफ गंज थाने में केस दर्ज कराया है।

महिलाएं बोलीं- आजम खान का बयान हमारा अपमान है-शहनाज का कहना है कि आजम खान ने महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बयान दिया है। शहनाज ने कहा कि हम सभी लोग उन्हें वोट देते रहे हैं, लेकिन उन्होंने हमारी गरिमा के ही खिलाफ बयान दिया है। शहनाज ने कहा कि उनका यह बयान तो सभी मां-बहनों के खिलाफ हैं। अब उनके खिलाफ 394बी, 354ए, 353ए समेत कई धाराओं में केस दर्ज हुआ है। दरअसल आजम खान की रामपुर में जबरदस्त लोकप्रियता रही है और 1980 के बाद से वह 10 बार विधायक रहे हैं। मुलायम सिंह यादव से लेकर अखिलेश यादव तक की सरकार में वह मंत्री थे।

रामपुर के नवाब को चुनौती देकर उभरे थे आजम खान-रामपुर के नवाब के मुकाबले मजदूरों के नेता के रूप में उभरे आजम खान का एक लंबा दौर यूपी की सियासत में रहा है, लेकिन देश भर में उनकी पहचान तीखे बयानों से ज्यादा रही है। यही वजह है कि वह तरफ समाजवादी पार्टी के लिए एसेट की तरह रहे तो कभी उनके बयान मुसीबत भी बन गए। आजम खान रामपुर में इन दिनों बेहद भावुक अंदाज में दिख रहे हैं। कभी वह खुदकुशी तक की बात करते हैं तो कभी खुद को गोलियां मारने तक के लिए जनता से कहते हैं।

62 साल के हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को उनके 62वें जन्मदिन पर बधाई दी और उनके नेतृत्व की सराहना की। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता से भाजपा में नया जोश और नई ऊर्जा भरने का काम किया है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और आरोग्यपूर्ण जीवन प्रदान करे।

जेपी नड्डा जनवरी 2020 में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए जेपी नड्डा जनवरी 2020 में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए थे। उन्हें तीन साल के लिए अध्यक्ष चुना गया था। नड्डा का तीन साल का कार्यकाल अगले साल जनवरी में समाप्त हो जाएगा। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए आलाकमान उनका कार्यकाल बढ़ा सकती है।

बिहार की राजधानी पटना में जन्म और पढ़ाई

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जन्म बिहार की राजधानी पटना हुआ था। उन्होंने पटना से ही बीए और एलएलबी की परीक्षा पटना से पास की थी। वे शुरू से ही एबीवीपी से जुड़े हुए थे। अपने राजनीतिक करियर में नड्डा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के प्रभारी और चुनाव प्रभारी रहे।

मुख्य साजिशकर्ता हरप्रीत सिंह दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार, आतंकी पर था 10 लाख का इनाम

नई दिल्ली। मोस्ट वांटेड आतंकवादी और 2021 लुधियाना कोर्ट बम ब्लास्ट मामले का मुख्य साजिशकर्ता दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी एनआईए ने दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 1 दिसंबर को फरार आतंकवादी हरप्रीत सिंह को मलेशिया के कौला लुम्पुर से आने पर गिरफ्तार किया है।

एनआईए ने आगे बताया कि हरप्रीत, लखबीर सिंह रोडे का सहयोगी है जो पाकिस्तान स्थित इंटरनेशल सिख यूथ फेडरेशन का प्रमुख है। हरप्रीत, लखबीर सिंह रोडे के साथ दिसंबर 2021 लुधियाना कोर्ट बिल्डिंग ब्लास्ट के साजिशकर्ताओं में से एक था। बता दें कि उस विस्फोट में एक की मौत और कई घायल हुए थे।

हरप्रीत सिंह पर 10 लाख रुपये का था इनाम

एनआईए ने यह भी बताया कि हरप्रीत सिंह पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था, जिसके खिलाफ विशेष एनआईए अदालत से गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था और एक लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया था।

एनआईए ने आगे बताया कि हरप्रीत, लखबीर सिंह रोडे का सहयोगी है जो पाकिस्तान स्थित इंटरनेशल सिख यूथ फेडरेशन का प्रमुख है।

लुधियाना कोर्ट कॉम्प्लेक्स में किया था विस्फोट -एनआईए ने जानकारी देते हुए कहा कि रोड के निर्देश पर काम करते हुए हरप्रीत ने विशेष रूप से निर्मित IED की डिलीवरी का समन्वय किया, जिसे पाकिस्तान से उसके भारत स्थित सहयोगियों को भेजा गया था, जिसका उपयोग लुधियाना कोर्ट कॉम्प्लेक्स विस्फोट में किया गया था।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा उज्जैन जिले से आगरमालवा की ओर रवाना

उज्जैन/आगरमालवा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज मध्यप्रदेश में दसवें दिन उज्जैन जिले के झालरा गांव से प्रारंभ हुयी, जो पूर्वान्ह में आगरमालवा जिले में प्रवेश कर जाएगी।

श्री गांधी की अगुवायी में पदयात्रा सुबह छह बजे के आसपास उज्जैन जिले के झालरा गांव से प्रारंभ हुयी। उनके साथ यात्रा में एक सौ बीस नियमित पदयात्रियों के अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री एवं यात्रा के संयोजक दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी, सैकड़ों वरिष्ठ नेता और हजारों कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

पदयात्रा दस बजे के आसपास आज के पहले पड़ाव तनोड़िया गांव पर पहुंचकर विराम लेगी। इसके बाद अपरान्ह में पदयात्रा पुनः शुरू होगी और शाम तक आगरमालवा जिले के आगर छावनी चौक पहुंचेगी। आज का रात्रि विश्राम कासी बरदिया में होगा। यात्रा शनिवार और रविवार को भी आगरमालवा जिले में रहेगी और चार दिसंबर को इसी जिले से राजस्थान में प्रवेश करेगी।

भारत जोड़ो यात्रा ने 23 नवंबर को महाराष्ट्र की सीमा से मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में प्रवेश किया था। इसके बाद से यह यात्रा खंडवा, खरगोन, इंदौर और उज्जैन जिले से होते हुए आगरमालवा जिले की ओर बढ़ रही है।

कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद के बीच चंद्रकांत पाटिल और शंभुराज देसाई का बेलगावी का दौरा 6 दिसंबर को

मुंबई। कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद मामले को लेकर बैठक हुई, जिसके बाद महाराष्ट्र के दो मंत्रियों- चंद्रकांत पाटिल और शंभुराज देसाई को कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा मुद्दे के लिए नियुक्त किया गया था। दोनों मंत्री 03 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी का दौरा करने वाले थे लेकिन अब यह दौरा 6 दिसंबर को करेंगे।

लंबे समय से चल रहा सीमा विवाद-

दरअसल, महाराष्ट्र और कर्नाटक- इन दो राज्यों की सीमा पर स्थित बेलगाम जिला जिसे बेलगावी भी कहा जाता है। यह विवाद भारत के बड़े राज्यों के सीमा विवादों में से एक है। इस

जिले में बड़ी आबादी मराठी और कन्नड़ भाषा बोलती है और लंबे वक्त से यह क्षेत्र इस विवाद का केंद्र रहा है। बता दें कि 1956 में जब इन दो राज्यों का पुनर्गठन किया गया था, तो कुछ जिले कर्नाटक के अंतर्गत आए। इसके पहले यह क्षेत्र बॉम्बे जो अब महाराष्ट्र है, उसके अंतर्गत आते थे। जब यह मामला बढ़ गया तो केंद्र सरकार ने इस मामले को सुल्जहने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश मेहर चंद महाजन ने एक आयोग का गठन किया। यह मामला अभी तक सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और इसे लेकर इन दिनों विवाद और भी जयादा बढ़ गया है।

कैलिफोर्निया में पकड़ा गया गोल्डी बराड़, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का है मास्टरमाइंड

नई दिल्ली। पंजाबी गायक और राजनेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या का मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ को कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया गया है। इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में भारत की खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। भारत की खुफिया एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय सूत्रों से यह बड़ा इनपुट मिला है। हालांकि अभी तक इस मामले में कैलिफोर्निया सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

खुफिया विभाग रॉ, आईबी, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और पंजाब इंटेलिजेंस को ऐसे इनपुट जरूर मिले हैं कि गोल्डी बराड़ वहीं है और उसे हिरासत में लिया गया है।

कौन है गोल्डी बराड़?

गोल्डी बराड़ का असली नाम सतिंदरजीत सिंह है। वह महज 28 साल की उम्र का है। बराड़ पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में पैदा हुआ था और वह भारतीय नागरिक है। 2017 में एक छात्र के तौर पर वह भारत से कनाडा पहुंचा था। गोल्डी के खिलाफ भारत में हत्या की कोशिश, हत्या, आपराधिक साजिश, अवैध फायरआर्म्स की आपूर्ति आदि जैसे गंभीर आरोप हैं। बराड़ को मूसेवाला की हत्या का मास्टरमाइंड भी माना जाता है।

मूसेवाला के हत्यारे को फोन पर दे रहा था निर्देश

मूसेवाला हत्याकांड की गुत्थी अभी तक पूरी तरह से सुलझ नहीं पाई है। घटना को लेकर कई नई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। कहा जाता है कि कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ मुख्य शूटर से बराबर संपर्क में था और फोन पर लगातार निर्देश दे रहा था। फोन कॉल के जरिए हुई बातचीत की कुछ रिकॉर्डिंग सामने आई थी।

शूटर और गोल्डी बराड़ के बीच हुई फोन पर बातचीत से पता चलता है कि 28 मई की दोपहर में मूसेवाला की सुरक्षा में कटौती के आदेश आते ही हत्यारे घटना को अंजाम देने के लिए तेजी से एक्टिव हो गए थे। पंजाबी सिंगर की हत्या के एक दिन पहले यानी 28 मई को घटना में शामिल मुख्य शूटर प्रियव्रत उर्फ फौजी के पास गोल्डी बराड़ का फोन आया था।

मंत्री ने की शिवाजी महाराज की शिंदे से तुलना, संजय राउत ने साधा निशाना- दिल्ली से जो मिलता है ईनाम

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मराठा राजा छत्रपति शिवाजी के साथ तुलना करने वाली टिप्पणी को लेकर राज्य में नया सियासी संग्राम शुरू हो गया है। विपक्षी दलों ने ऐसी टिप्पणी करने वाले राज्य के पर्यटन मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात लोढ़ा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उद्धव खेमे के नेता संजय राउत ने कहा कि शिवाजी महाराज का अपमान करने वालों को केंद्र से पुरस्कृत किया जाता है। कांग्रेस ने उनके इस्तीफे की मांग की है। कहा कि लोढ़ा तो शिवाजी महाराज के खिलाफ टिप्पणी करने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी से एक कदम आगे निकल गए हैं। दरअसल, महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री प्रभात लोढ़ा ने शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक आगरा पलायन की तुलना एकनाथ शिंदे के शिवसेना छोड़ने से कर दी। उन्होंने शिंदे के दलबदल की इससे तुलना की है। जिसके बाद नया विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस ने गुरुवार को उनके इस्तीफे की मांग की, जबकि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने उन्हें ÷मराठा योद्धा के बारे में गलत बयान÷ के लिए लताड़ा। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने मांग की कि

लोढ़ा को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷कोई मंत्री शिवाजी महाराज के बारे में ऐसा कैसे कह सकता है और वह भी महाराष्ट्र में। वह अब माफी मांग रहे हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि शिवाजी ने गद्दारों को कभी माफ नहीं किया। लोढ़ा शिवाजी महाराज के खिलाफ टिप्पणी करने में राज्यपाल और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी से एक कदम आगे निकल गए हैं।

पटोले का शिंदे पर निशाना

पटोले ने शिवाजी का अपमान करने के लिए शिंदे और भाजपा की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, सीएम शिंदे इस्तीफा नहीं देंगे क्योंकि वह डर और भ्रष्टाचार की वजह से इस पद पर पहुंचे हैं। एक ओर वे शिवाजी के प्रशंसक होने का ढोंग करते हैं और दूसरी ओर उनका अपमान करते रहते हैं। उन्होंने शिंदे खेमे के विधायकों और सांसदों से शिवाजी महाराज के अपमान के विरोध में इस्तीफा देने का भी आग्रह किया, अगर उन्हें मराठा योद्धा के लिए थोड़ा भी गर्व है।

अपमान करने वाले केंद्र से पुरस्कृत

इस बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के नेता छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने में एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं जैसे कि उन्हें केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि महाराज ने माफी मांगी थी, राज्यपाल बीएस कोश्यारी ने कहा कि शिवाजी महाराज पुराने दिनों के प्रतीक थे। अब एक मंत्री ने उनकी तुलना पार्टी और राज्य से गद्दारी करने वाले नेता से की है। पर्यटन मंत्री को कम से कम राज्य के इतिहास और उनके आइकन के बारे में पता होना चाहिए। शिवाजी महाराज का अध्ययन करने के लिए दुनिया भर से लोग यहां आते हैं और राज्य के पर्यटन मंत्री को इतिहास तक नहीं पता है।

बच्चों की खेती का मौलाना फॉर्मूला, मुसलमानों की तरह हिंदू भी इसे अपनाएं, लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में कराएं

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने एक सेक्सिस्ट, महिला विरोधी और प्रतिगामी बयान देते हुए कहा है कि हिंदुओं को अपनी लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में करने के फॉर्मूले का पालन करना चाहिए। एआईयूडीएफ अध्यक्ष और सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने कहा है कि वह मुस्लिम लड़कियों के लिए 10 कॉलेज खोलेगा। मैं उनसे अपील करूंगा कि वे अपने द्वारा बनाए गए कॉलेजों में हिंदू लड़कियों को प्रवेश दें। हम सभी लड़कियों को शिक्षित करना चाहते हैं। एजेंसी से बात करते हुए बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में हो जाती है, लेकिन हिंदू लड़कियों की शादी 40 साल की उम्र में नहीं होती है। वे 40 साल की उम्र तक अवैध पार्टनर रखते हैं। वे बच्चे नहीं पैदा करते और पैसे बचाते हैं। लेकिन 40 साल की उम्र के बाद इनकी शादी हो जाती है। फिर आप बच्चों को कैसे स्वीकार कर सकते हैं? उन्हें (हिंदुओं को) मुस्लिम फॉर्मूले को स्वीकार करना चाहिए और अपने बच्चों की शादी 20-22 साल की उम्र में कर देनी चाहिए। 18-20 साल की उम्र में लड़कियों की शादी करा दो और फिर देखो कितने बच्चे पैदा होते हैं। जब आप उपजाऊ जमीन में बीज बोयेंगे तभी उसका फल आपको मिल सकता है। उसके बाद, हर जगह विकास और विकास देखा जा सकता है। वहीं पूरे मामले पर मौलाना साजिद रशीदी ने बदरुद्दीन अजमल की टिप्पणी का समर्थन किया। मौलाना ने कहा, 卐18 साल की उम्र होने के बाद मुसलमान उनकी (लड़कियों की) शादी करवाते हैं। हिंदुओं में रिश्तों का चलन शुरू हो गया है। इसमें कोई शक नहीं है। हिंदुओं में तलाक का अनुपात ज्यादा है।卐

लातवियाई महिला के रेप-हत्या का मामला : दोनों आरोपी दोषी करार, केरल से 2018 में लापता हो गई थी विदेशी पर्यटक

नई दिल्ली। केरल के तिरुवनंतपुरम की एक अदालत ने दो लोगों को मार्च 2018 में कोवलम में एक 33 वर्षीय लातवियाई पर्यटक के साथ बलात्कार करने और उसकी हत्या करने का दोषी पाया। इस मामले में 5 दिसंबर को सजा सुनाई जाएगी। महिला आयुर्वेद उपचार के लिए केरल में थी जब उसके लापता होने की सूचना मिली। एक महीने बाद उसकी क्षत-विक्षत लाश कोवलम से बरामद की गई थी। शव मिलने के चार महीने बाद उमेश और कुमार को गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि दोनों ने पर्यटक के साथ दोस्ताना व्यवहार किया और जब वह भांग पीकर बेहोश हो गई तो उसका यौन उत्पीड़न किया। जब उसे होश आया, तो वह गुस्से में आ गई और उसने पुलिस से संपर्क करने की धमकी दी, जिससे दोनों ने सुनसान जगह पर उसकी शॉल से उसका गला घोंट दिया। उमेश और कुमार ने हत्या को आत्महत्या बताने की कोशिश की और शव को पेड़ से लटकाने की कोशिश की। लेकिन उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि पर्यटक को नशीला पदार्थ दिया गया था, उसके साथ बार-बार बलात्कार किया गया और उसे मार दिया गया। पुलिस ने उमेश और कुमार के खिलाफ अपहरण, बलात्कार, नशा और हत्या का मामला दर्ज किया, जबकि 30 में से दो गवाह मुकदमे के दौरान मुकर गए। कोवलम एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और बलात्कार और हत्या ने आक्रोश भड़का दिया। पर्यटक के शरीर का अंतिम संस्कार किया गया और उसकी राख को लातविया ले जाया गया। केरल उच्च न्यायालय ने पिछले साल तिरुवनंतपुरम की सत्र अदालत को निर्देश दिया था कि पर्यटक की बहन द्वारा शीघ्र सुनवाई की मांग के बाद मुकदमे की सुनवाई तेज की जाए और फैसला सुनाया जाए।

श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर के बाहर दर्शाया गया जी-20 का लोगो, श्रद्धालुओं ने सराहा

श्री नगर। भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर देशभर में फैले यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों समेत केंद्र सरकार की ओर से संरक्षित सौ स्मारकों को सप्ताह भर के लिए रोशनी से जगमग किया गया है और इन पर प्रभावशाली समूह जी-20 के लोगो को उकेरा गया है। दिल्ली में हुमायूं का मकबरा और पुराना किला से लेकर गुजरात में मोढेरा सूर्य मंदिर और ओडिशा में कोणार्क सूर्य मंदिर से लेकर बिहार में शेरशाह सूरी के मकबरे तक ऐसे 100 स्मारकों में रोशनी की गयी है। कश्मीर की बात करें तो यहां प्राचीन और एतिहासिक शंकराचार्य मंदिर पर जब जी-20 लोगो को उकेरा गया तो वह देखते ही बन रहा था। श्रीनगर में ज़बरवन रेंज पर शंकराचार्य पहाड़ी के ऊपर स्थित शंकराचार्य मंदिर जिसे ज्येष्ठेश्वर मंदिर भी कहा जाता है, वहां आने वाले आगंतुक इस बात को लेकर बहुत उत्साहित दिखे कि इस मंदिर को भी मोदीजी ने जी-20 लोगो को प्रदर्शित करने के लिए चुना है। श्रीनगर में प्रभासाक्षी संवाददाता से बातचीत करते हुए श्रद्धालुओं ने कहा कि सरकार के इस फैसले से यहां आने वाले पर्यटक बड़ी संख्या में इस प्राचीन मंदिर की ओर आकर्षित होंगे। जी-20 लोगो दर्शाने से पहले शंकराचार्य मंदिर की खूब साज-सज्जा भी की गयी है जोकि सभी को भा रही है। यहां पर लोग सेल्फी लेते भी देखे जा रहे हैं।

पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 5 किलो हेरोइन और ड्रोन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत से पांच किलोग्राम हेरोइन के साथ एक ड्रोन बरामद किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के एक संयुक्त अभियान में छह रोटर वाला एक मानव रहित हेक्साकॉप्टर बरामद किया गया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने ट्वीट किया, ''बीएसएफ के साथ एक संयुक्त तलाशी अभियान में तरनतारन पुलिस ने आधुनिक तकनीक से लैस एक हेक्साकॉप्टर ड्रोन और भारत-पाक सीमा के पास खेतों से 5 किलोग्राम हेरोइन के पैकेट बरामद किए हैं।'' हेरोइन ड्रोन से ही गिराई गई थी। 28 नवंबर को बीएसएफ ने अमृतसर और तरनतारन जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर दो पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। दो हेक्साकॉप्टर में करीब 10 किलो हेरोइन थी, जिसे बीएसएफ जवानों ने बरामद किया था।

जेएनयू की दीवार पर नारे लिखने वाले ने देश की संस्कृति पर किया प्रहार, अनिल विज बोले- ऐसी सोच को कुचल देना चाहिए

नई दिल्ली। जेएनयू कैंपस की इमारतों पर कुछ विवादास्पद नारे लिखे जाने का मामला सामने आया है। इनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। जेएनयू के कुछ छात्रों के अनुसार कुछ जाति समूह के खालिफ इन नारों को लिखा गया। इसके अलावा दावा किया गया कि स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की एक इमारत में तोड़फोड़ भी की गई। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार जवाहरलाल नेहरू परिसर के परिसर की कई दीवारों पर ब्राह्मण विरोधी नारे लिखे हुए थे, जिसमें परिसर के ब्राह्मणों को धमकी दी गई थी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने एक बयान जारी कर इस घटना की निंदा की और परिसर को विकृत करने के लिए 'अज्ञात तत्वों' को जिम्मेदार ठहराया। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। नारे स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज-द्वितीय भवन की दीवारों पर पाए गए। नलिन कुमार महापात्र, राज यादव, प्रवेश कुमार और वंदना मिश्रा सहित कई ब्राह्मण प्रोफेसरों के कक्षों की दीवार पर 'गो बैक टू शाखा' लिखा हुआ था। जेएनयू में दीवार पर विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणी लिखने का मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अनिल विज ने ट्वीट करते हुए लिखा कि जेएनयू की दीवारों पर ब्राह्मण और बनिया विरोधी नारे बहुत ही घातक है। जे एन यू की दीवारों पर ब्राह्मण और बनिया विरोधी नारे बहुत ही घातक है क्योंकि ब्राह्मण हमारे देश के धर्म और संस्कृति को जिंदा रखे हैं और बनिया देश के व्यापार में एहम भूमिका अदा कर रहा है नारे लिखने वाले ने देश की संस्कृति और व्यापार पर प्रहार किया है ऐसी सोच को कुचल देना चाहिए ।

इतिहास में तीसरी बार महिला जजों की बेंच करेगी सुनवाई, समान स्वास्थ्य सेवा पर मांगा रिप्लाई, इस हफ्ते के कुछ खास जजमेंट/ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक इस सप्ताह यानी 28 नवंबर से 02 दिसंबर 2022 तक क्या कुछ हुआ। कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

महिला जजों की बेंच शादी से जुड़े विवाद की करेगी सुनवाई: सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शादी से जुड़े विवाद और जमानत के मामलों से जुड़े ट्रांसफर वाली याचिकाओं की सुनवाई के लिए महिला जजों की एक बेंच बनाई। इसमें शिकार जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह तीसरा मौका है, जब पूरी तरह महिला जजों की बेंच बनाई गई है। दो जजों वाली बेंच सुप्रीम कोर्ट की अदालत संख्या-11 में बैठ रही है। बेंच के सामने आए 32 मामलों में से शादी से जुड़े विवाद और जमानत वाली 10-10 ट्रांसफर वाली याचिकाएं हैं। ट्रांसफर याचिका ऐसी याचिका होती है, जिनमें किसी मामले को राज्य एजेंसियों से केंद्रीय एजेंसी या किसी हाई कोर्ट ने दूसरे हाई कोर्ट या हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किये जाने का अनुरोध किया है।

कानून मंत्री के बयान पर सुप्रीम कोर्ट: सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति के लिए दोबारा सिफारिश भेजे जाने के बाद केंद्र सरकार की ओर से की गई देरी पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि यह नियुक्ति के तरीके को ही विफल कर देता है। सुप्रीम कोर्ट ने कानून मंत्री किरण रिजिजू के पिछले दिनों दिए बयान पर भी निराशा जताई और कहा कि उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। कानून मंत्री ने हाल में कलीजियम सिस्टम की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसा मत कहिए कि सरकार फाइलों पर बैठ जाती है। ऐसा है तो सरकार को फाइल ही मत भेजिए। कलीजियम सरकार को यह नहीं कह सकता है कि उसके भेजे भेजे गए नामों को तुरंत मजूरी दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है, सरकार जजों की नियुक्ति के लिए बनाए गए एनजेएसी को मंजूरी न मिलने से नाराज है। लेकिन ये जजों की नियुक्ति के मौजूदा कॉलेजियम सिस्टम को न मानने का कारण नहीं हो सकता।

समान स्वास्थ्य सेवा: देश में एक समान स्वास्थ्य सेवा मानदंड लागू करने की मांग उठी है। इसके लिए दिशा निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र-राज्यों से जवाब मांगा। याचिका में शीर्ष कोर्ट से कहा गया है कि वह संविधान व क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के अनुसार देश के नागरिकों को एक समान स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के दिशा निर्देश जारी करे। जस्टिस बीआर गवई व जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने याचिका पर जवाब देने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को चार सप्ताह का वक्त दिया है।

जबरन धर्मांतरण: केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा कि जवरन धर्म परिवर्तन गंभीर विषय है। धर्म की स्वतंत्रता के को किसी खास धर्म में परिवर्तन करने का मौलिक अधिकार शामिल नहीं है। मध्यप्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड और हरियाणा ने पहले ही जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बना रखे हैं। केंद्र ने कहा कि जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

जज के अश्लील वीडियो के प्रसार पर रोक: दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र और मीडिया प्लेटफॉर्म को निचली अदालत के एक जज से जुड़े कामुक वीडियो के सर्कुलेशन पर रोक लगाने का आदेश दिया है। स्द्ध1द्गस्नु2 की रिपोर्ट के अनुसार न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने 'अपमानजनक वीडियो को साझा करने, वितरण करने, फॉरवर्ड करने या पोस्ट करने पर रोक लगा दी है। तत्काल उल्लेख किए जाने के बाद मामले की सुनवाई की गई। तब तक सोशल मीडिया पर एक वीडियो कई बार शेयर किया जा चुका था, जिसमें एक जज को एक महिला के साथ दिखाया गया था, जिसे उसकी सहयोगी के रूप में पहचाना गया था। यशवंत शर्मा की बेंच ने आदेश में कहा कि वादी को इससे भारी नुकसान की आशंका को देखते हुए मामले में तत्काल सुनवाई की गई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बड़ा दावा, गुजरात में बहुमत के साथ हमारी पार्टी बनाएगी सरकार

नई दिल्ली। (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां लगातार जारी है। पहले चरण के लिए वोटिंग खत्म हो गई है। दूसरे चरण के लिए 5 तारीख को वोटिंग होगी। गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच में मुख्य मुकाबला होता रहा है। हालांकि, आम आदमी पार्टी की वजह से इस बार चुनाव काफी दिलचस्प माना जा रहा है। इन सब के बीच कांग्रेस में बड़ा दावा कर दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ तौर पर कहा है कि गुजरात में उनकी पार्टी सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बहुमत हासिल करेगी और सरकार बनाएगी। आपको बता दें कि भले ही गुजरात में भाजपा और आम आदमी पार्टी की प्रचार काफी सुनाई दे रही है। लेकिन कांग्रेस कहीं ना कहीं जमीन पर काम करती हुई दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रैलियों में कहा था कि कांग्रेस गांव में घर-घर जाकर प्रचार कर रही है, ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। वैसे देखा जाए तो आम आदमी पार्टी से चुनौती मिलने के बावजूद भी भाजपा कांग्रेस पर ही जबरदस्त तरीके से हमलावर है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पर बांटने की राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। लेकिन यह बात भी सत्य है कि कांग्रेस इस बार

गुजरात में प्रचार में थोड़ी कमजोर नजर आ रही है। इसका कारण यह भी है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने उस तरीके से गुजरात में प्रचार नहीं किया है। अब तक गुजरात में राहुल गांधी ने सिर्फ दो रैलियों को संबोधित किया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात में लगातार रैलियों को संबोधित किया है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए रावण जैसे शब्द का भी इस्तेमाल किया। जिसके बाद से भाजपा उनके खिलाफ जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गई है। भाजपा ने उसे चुनावी मुद्दा भी बना दिया है और इससे गुजरात के बेटे का अपमान बता रही है। भाजपा दावा कर रही है कि खडके के बयान पर जनता जवाब देगी। गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस ने अशोक गहलोत को अपना पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। उन्हीं के नेतृत्व में गुजरात में कांग्रेस लगातार रणनीति के तहत चुनाव लड़ रही है।

सलाहकार समिति की बैठक के बाद बोले राजनाथ, नौसेना और तटरक्षक बल की मज़बूती तभी संभव, जब इसे हाईटेक जहाज और हथियारों से करेंगे लैस

मुंबई। (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुंबई में रक्षा शिपयार्ड पर रक्षा मंत्रालय के लिए सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जिस तरह से हमारे डिफेंस शिपयार्ड ने विगत वर्षों में काम किया है, वह सराहनीय है। हमारे डिफेंस शिपयार्ड ने न केवल समय पर डिलीवरी का ख्याल रखा है, बल्कि ये सभी अपने उत्पादों की गुणवत्ता में भी अग्रणी रहे हैं। हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए एक सशक्त नौसेना और तटरक्षक बल,आज की महत्त्वपूर्ण जरूरत है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि इन शिपयार्ड में GeM के माध्यम से वसूली में वृद्धि हो रही है जिसमें न सिर्फ घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिल रहा है, बल्कि वसूली में ज्यादा पारदर्शिता आई है। सभी शिपयार्ड के लिए MoU 2022-

23 के अंतर्गत GeM के माध्यम से वसूली बढ़ाने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त इन शिपयार्ड के लिए कुल वसूली का 25 प्रतिशत MSMEs से करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि नौसेना और तटरक्षक बल की मज़बूती तभी संभव है, जब हम उन्हें अत्याधुनिक जहाज एवं हथियारों से सुसज्जित करेंगे। इस दिशा में हमारे शिपयार्ड एक अहम भूमिका निभा रहे।

खत्म हुआ दिल्ली में चुनावी प्रचार का शोर, 4 दिसंबर को वोटिंग, भाजपा और 'आप' में मुख्य मुकाबला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए आज प्रचार थम गया। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए 4 दिसंबर को वोटिंग होनी है। परिसीमन के बाद दिल्ली में 250 वार्ड हैं। इन्हीं 250 वार्डों के लिए 4 दिसंबर को वोटिंग होगी। कुल मिलाकर देखें तो दिल्ली में मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच में है। दोनों ओर से प्रचार में पूरी ताकत झोंकी गई। भाजपा के कई राज्यों के मुख्यमंत्री कई केंद्रीय मंत्री चुनावी प्रचार में अपनी ताकत दिखाई। तो वहीं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया भी लगातार पार्टी के लिए प्रचार करते रहे। प्रचार में दोनों दलों की ओर से वार पलटवार का दौर भी देखने को मिला। हालांकि, कांग्रेस ने भी एमसीडी चुनाव में जबरदस्त तरीके से अपनी ताकत होती है। दिल्ली नगर निगम पर पिछले 15 सालों से भाजपा का कब्जा है। यही कारण है कि पार्टी ने एक बार फिर से दिल्ली में नगर निगम पर अपना कब्जा जमाने के लिए प्रचार में पूरी ताकत दिखाई है। पार्टी की ओर से राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, पुष्कर सिंह धामी, पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर जैसे नेताओं ने प्रचार किया है। दिल्ली नगर निगम के चुनावी नतीजे 7 दिसंबर को आएंगे। आज अरविंद केजरीवाल ने व्यापारियों से बातचीत करते हुए साफ तौर पर कहा कि एमसीडी के अंदर तीन से चार महीनों बाद भ्रष्टाचार को पूरी तरीके से खत्म कर देंगे। उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। दूसरी ओर भाजपा की केंद्रीय मंत्री और दिल्ली से ही सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जो लोग अपने आप को इमानदारी का प्रमाण देते हैं और दूसरों को बेईमान बताते हैं वह कितने बेईमान है, यह जनता को पता होना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि यह तो चोरी और सीनाजोरी वाली बात है, चोरी करके जेल में बैठे हैं और आराम फरमा रहे। नगर निगम चुनाव से पहले अलग-अलग वार्डों में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करते हुये भाजपा नेताओं ने कहा कि नगर निकाय में अगर भाजपा सत्ता में आती है तो उनकी डबल इंजन सरकार राजधानी का सर्वांगीण विकास सुनिश्चत करेगी। आम आदमी पार्टी ने नगर निगम में भाजपा के 15 साल के कार्यकाल के दौरान कचरा कुप्रबंधन को लेकर पार्टी पर निशाना साधते हुये कहा कि भगवा पार्टी ने दिल्ली को कूड़े के तीन पहाड़ दिए हैं। आप ने यह भी आरोप लगाया है कि भाजपा के पास नगर निगम के 15 साल के कार्यकाल के दौरान दिखाने के लिये कुछ भी नहीं है, इसलिये यह पार्टी के खिलाफ झूठे आरोप लगा रही है।

बिहार में नीतीश कुमार की सभा में हंगामा, अभ्यार्थियों ने लगाएं मुख्यमंत्री शर्म करो, डूब मरो के नारे

पटना (एजेंसी)। बिहार में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार बढ़ती जा रही है। बिहार के कुढ़नी सीट पर उपचुनाव होने हैं। इसको लेकर भाजपा और महागठबंधन उम्मीदवार आमने-सामने है। इसी कड़ी में आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुढ़नी में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी सभा में हंगामा हो गया। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभा में सीटीईटी और बीटीईटी के अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने मुख्यमंत्री शर्म करो, डूब मरो के साथ-साथ हाय हाय के भी नारे लगाती है। इस दौरान एक-दूसरे पर जमकर कुर्सियां भी चली। नारे को सुनने के बाद नीतीश कुमार के समर्थकों की ओर से अभ्यार्थियों के खिलाफ भी कुर्सियां चलाई गई और उन्हें वहां से भगा दिया गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब

वायरल हो रहा है जिसमें लोग कुर्सियां फेंकते दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल इस घटना को लेकर कोई बयान जारी नहीं हुआ है और ना ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हंगामे पर कुछ बोला है। लेकिन जिस तरीके से इसका वीडियो सामने आया है, उसमें साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि सभा में जमकर बवाल किया गया है। वही राजद की ओर से एक वीडियो जारी कर कहा गया है कि कुढ़नी उपचुनाव में माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव साझा जनसभा करने के लिए पहुंचे।

इससे पहले कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा था कि लालू जी यहां रहना चाहते थे, लेकिन वह इस समय सिंगापुर में हैं और पांच दिसंबर को गुर्दा प्रतिरोपण के लिए उनका ऑपरेशन होगा। हालांकि, उन्होंने मुझे आप सभी को संदेश देने को कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि इस सीट पर राजद, बिहार सरकार का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी और सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का समर्थन कर रहा है। वहीं, भाजपा ने भी इस सीट पर इपनी पूरी ताकत लगा दी है।

चुनाव के समय भाजपा हमेशा समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठाती है- जयराम रमेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुमरा खेड़ी (मप्र)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव के समय समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कोई इवेंट (कार्यक्रम) नहीं बल्कि एक आंदोलन है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा के आगर मालवा जिले के सुमरा खेड़ी में पहुंचने के बाद रमेश ने पत्रकारों से कहा, '' चुनाव होने पर भाजपा हमेशा समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठाती है। इस बार गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं।''

उन्होंने कहा, '' मैंने संसद में भी उल्लेख किया है कि न्यायमूर्ति बी एस चौहान की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने 31 अगस्त 2018 को अपनी 185

पन्नों की रिपोर्ट में इस बात मुद्दे पर कहा है कि समान नागरिक संहिता न तो वांछनीय है और न ही आवश्यक है.... जब भी चुनाव होते हैं तो भाजपा हमेशा इसे उठाती है।'' मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान सरकार ने बृहस्पतिवार को प्रदेश में यूसीसी के कार्यान्वयन के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की है। गुजरात और हिमाचल प्रदेश सहित कुछ अन्य भाजपा शासित राज्यों ने हाल ही में इसी तरह की घोषणा की है। भाजपा द्वारा इस पदयात्रा को एक इवेंट करार दिये जाने के सवाल पर रमेश ने कहा ,'' भारत जोड़ो यात्रा एक आंदोलन है न कि एक इवेंट।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, '' भाजपा इवेंट को मैनेज करने में माहिर है। भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने भी मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) के बारे में कहा था कि वह दुनिया के शानदार इवेंट मैनेजर हैं।'' रमेश ने कहा, '' एक इवेंट इतने लंबे समय तक कभी नहीं चलता है। भारत जोड़ो यात्रा 140 दिनों तक चलेगी और कोई भी इवेंट इतने लंबे समय तक नहीं चल सकता है।'' अभिनेत्री स्वरा भास्कर के यात्रा में शामिल होने पर भाजपा की आलोचना पर उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की हस्ती ही नहीं बल्कि टेलीविजन अभिनेता, आरएसएस नेता, पूर्व सैन्यकर्मी जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लोग यात्रा में अपनी इच्छा से शामिल हो रहे हैं।

पुराने भवन में ही होगा संसद का शीतकालीन सत्र, 16 नए विधेयकों को पेश करने की योजना बना रही सरकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू हो रहा है। मिल रही जानकारी के मुताबिक संसद का शीतकालीन सत्र मौजूदा भवन में ही आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। नए संसद भवन का निर्माण कार्य पूरा होने की नवंबर की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। हालांकि, अभी भी इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल खबर यह है कि सरकार की ओर से शीतकालीन सत्र में 16 नए विधेयक पेश करने की तैयारी की जा रही है। इन 16 विधेयकों में बहु राज्य सहकारी समितियों में जवाबदेही बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया में सुधार से संबंधित विधेयक भी शामिल है। इसके अलावा राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक भी पेश किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

लोकसभा की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, शीतकालीन सत्र के दौरान छावनी विधेयक, 2022 एक और मसौदा कानून है जिसे पेश किए जाने की संभावना है। इस विधेयक के उद्देश्यों में छावनियों में ''जीवन की सुगमता'' को बढ़ाने का प्रस्ताव भी शामिल है। इस दौरान पेश किए जाने वाले विधेयकों की सूची में पुराना अनुदान (विनियमन) विधेयक,वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, तटीय जलकृषि प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक आदि भी शामिल हैं। संसद का मौजूदा सत्र पुराने ही भवन में चलेगा। हालांकि बताया जा रहा है कि कोविड महामारी की वजह के साथ-साथ रूस-यूक्रेन युद्ध और कई अन्य कारणों की वजह से संसद भवन के निर्माण कार्य में देरी हुई है। हालांकि अभी भी निर्माण कार्य काफी तेजी से किया जा रहा है।

खुद केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 4 नवंबर को अपने बयान में कहा था कि नए संसद भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। आपको बता दें कि नया संसद भवन सेंट्रल विस्टा परियोजना का हिस्सा है जिसकी नींव नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2020 में रखी थी। दूसरी ओर विपक्ष ने संसद को लेकर रणनीति बनाने की शुरुआत कर दी है। शीतकालीन सत्र को लेकर कांग्रेस ने वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, निचले सदन में मुख्य सचेतक के. सुरेश, राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। यह बैठक कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के आवास पर शनिवार शाम को होगी।

रूस-यूक्रेन संघर्ष मामले में भारत 'निष्क्रिय' नहीं : सुरक्षा परिषद अध्यक्ष कम्बोज

बीजिंग (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने कहा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के मामले में भारत दोनों पक्षों से बात कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नयी दिल्ली इस युद्ध को लेकर 'निष्क्रिय' नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की दिसंबर महीने के लिए अध्यक्ष रुचिरा ने कहा कि भारत ने शांति का पक्ष लिया है और कूटनीति एवं संवाद के जरिये तनाव कम करने का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक-एक महीने के लिए क्रमवार मिलने वाली अध्यक्षता के तहत दिसंबर माह में इस पद की जिम्मेदारी भारत ने बृहस्पतिवार को संभाली।

पंद्रह सदस्यीय इस निकाय की अध्यक्षता करने के दौरान भारत आतंकवाद की रोकथाम और बहुपक्षीय सुधार को लेकर कई प्रमुख कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा। भारत की इस अध्यक्षता के साथ ही उसकीसुरक्षा परिषद की दो साल की सदस्यता की अवधि भी समाप्त हो जाएगी क्योंकि परिषद में अस्थायी सदस्यों का केवल दो साल का कार्यकाल होता है। कम्बोज ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि भारत और रूस महत्वपूर्ण संबंधों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा, ''भारत बहुत बड़ा देश है। वह अपने पैरों पर खड़ा है और उसे स्वयं पर गर्व है। जहां तक यूक्रेन संघर्ष का सवाल है, तो हमशुरू से ही अपने रुख को लेकर स्पष्ट हैं। हमने एक स्वर में शांति की बात की। हमने शांति का पक्ष लिया और समाधान के लिए कूटनीति और संवाद का समर्थन किया।''

कम्बोज ने यह टिप्पणी रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बयान के बारे में पूछे गए सवाल पर की। लावरोव ने कहा था कि नाटो भारत को रूस विरोधी और चीन विरोधी गठबंधन में खींचना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर '' दोनों पक्षों से बात कर रहे हैं।'' कम्बोज ने कहा, ''हम उन कुछ देशों में हैं जो दोनों पक्षों से बातचीत करने की हिम्मत रखते हैं।'' इसके साथ ही उन्होंने मोदी की उस टिप्पणी का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने कहा था कि '' यह युद्ध का युग नहीं है''। इस टिप्पणी को वैश्विक मान्यता मिली और यहां तक कि, हाल में इंडोनेशिया के बाली में अंगीकार किए गए जी-20 घोषणापत्र में भी इसे जगह दी गई।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि भारत को मानवीय स्थिति की जानकारी है और उसने चिकित्सा मदद की 12 खेप यूक्रेन भेजी है और वहां शिक्षण संस्थानों के निर्माण के लिए वित्तीय मदद की है। उन्होंने कहा, ''साथ ही हमारे रूस के साथ भी अच्छे संबंध हैं, रूस के साथ हमारे महत्वपूर्ण संबंध हैं। जहां तक अमेरिका से संबंधों का सवाल है तो वह वृहद रणनीतिक साझेदारी है जो पहले कभी इतनी करीबी और मजबूत नहीं थी जैसी आज है।'' सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष के तौर पर यूक्रेन संकट से निपटने में भारत के रुख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हम सभी पक्षों से संपर्क जारी रखेंगे।

लश्कर और जैश को मजबूत करने में जुटा तालिबान, पूर्व अफगान सुरक्षा प्रमुख ने किया बड़ा दावा

अफगानिस्तान के पूर्व खुफिया प्रमुख रहमतुल्लाह नबील ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ अपनी व्यस्तता के बावजूद भारत को अपनी सुरक्षा में कमी नहीं आने देनी चाहिए। तालिबान और अधिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र तक पहुंच रखते हैं। नबील ने कहा कि भारत के 'स्वयं के हित' में तालिबान के साथ बातचीत आवश्यक थी, नई दिल्ली को पूर्व नेताओं के साथ भी चैनल खुले रखने चाहिए, भले ही वे अब सत्ता से बाहर हैं। नबील ने राष्ट्रपति हामिद करजई और राष्ट्रपति अशरफ गनी दोनों के अधीन राष्ट्रीय रक्षा सचिवालय के निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने अपने कार्यकाल (2010-2015) के दौरान भारत के साथ निकटता से सहयोग किया था। लेकिन गनी की पाकिस्तान यात्रा पर नबील ने इस्तीफा दे दिया था। हाल ही में एक रिपोर्ट भी सामने आई थी जिसमें कहा गया था कि अफगानिस्तान के सिर्फ नंगरहार जिले में आठ आतंकी प्रशिक्षण कैंप चलाये जा रहे हैं जिसमें से तीन कैंप पूरी तरह से तालिबान के आतंकियों की देख-रेख में चलाए जा रहे हैं। यूएनएससी की तरफ से गठित समिति की यह 13वीं रिपोर्ट है। यह भी बता दें कि यूएनएससी की उक्त समिति की पहले की रिपोर्ट में कहा गया है कि जैश व लश्कर काफी पहले से तालिबान को वित्तीय व प्रशिक्षण की मदद दे रहे थे और अब जबकि तालिबान ने वहां सरकार बना ली है तो वह इन संगठनों को उसी तरह से मदद कर रहा है।

अफ्रीका महाद्वीप को मिलेगी एमपॉक्स टीकों का पहली खेप

अफ्रीका के शीर्ष स्वास्थ्य निकाय का कहना है कि इस महाद्वीप को दक्षिण कोरिया से दान के तौर पर एमपॉक्स टीकों की पहली खेप मिलने वाली है। अफ्रीका सेंटर्स फोर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि 50,000 खुराकों का उपयोग पहले स्वास्थ्यकर्मियों तथा सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों के लिए किया जाएगा। वैसे इन खुराकों के पहुंचने का कोई समय नहीं बताया गया है। इस महाद्वीप में इस साल एमपॉक्स से 202 लोगों की जान गयी है। तेरह देशों में इस बीमारी के रोगियों मृत्युदर 19.3 प्रतिशत है। एमपॉक्स पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था। सीडीसी के कार्यकारी निदेशक ओगवेल ने कहा कि पिछले सप्ताह कांगो में एमपॉक्स के 51 नये मामले सामने आये जबकि घाना और नाइजीरिया अन्य सबसे प्रभावित देश हैं।

स्पेन में अमेरिकी दूतावास से संदिग्ध लिफाफा मिला

वाशिंगटन। स्पेन के मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में एक संदिग्ध लिफाफा मिला है। स्पेनिश अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी दूतावास ने 'एसोसिएटेड प्रेस' के इस संबंध में पूछे जाने पर कहा, ''हम पुष्टि कर सकते हैं कि मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में एक संदिग्ध पैकेट प्राप्त हुआ था, और पूरे स्पेन में अन्य स्थानों पर भेजे गए अन्य पैकेट की सूचना से अवगत हैं।'' दूतावास ने कहा, ''हम इस मामले में उनकी सहायता के लिए स्पेनिश कानून प्रवर्तन अधिकारियों के आभारी हैं।'' अधिकारियों ने स्पेन की राजधानी में स्थित दूतावास की सुरक्षा बढ़ाते हुए उसकी घेराबंदी कर दी है। पुलिस का कहना है कि डाक पैकेट में छुपाए गए अन्य विस्फोटक उपकरण पिछले दो दिनों में स्पेन के रक्षा मंत्रालय, स्पेन में एक यूरोपीय संघ के उपग्रह केंद्र और एक हथियार कारखाने में भेजे गए थे। स्पेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि पुलिस ने अमेरिकी दूतावास में पाए गए लिफाफे में विस्फोटक को निष्क्रिय कर दिया। इसमें किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि इसी तरह का एक विस्फोटक उपकरण 24 नवंबर को स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज को नियमित डाक द्वारा भेजा गया था, लेकिन बम निरोधक विशेषज्ञों द्वारा इसे निष्क्रिय कर दिया गया। स्पेन की पुलिस ने राजधानी मैड्रिड के बाहरी इलाके में स्थित वायुसेना के ठिकाने पर भेजे गए एक 'लैटर बम' का बृहस्पतिवार तड़के पता लगाया था। मैड्रिड में रूसी दूतावास ने 'लैटर बम' मिलने के बाद एक ट्वीट में कहा, 'कोई भी खतरा या राजनयिक मिशनों को निशाना बनाकर किया गया कोई भी आतंकवादी हमला, पूरी तरह से निंदनीय है।' इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा ने विदेशों में सभी यूक्रेनी दूतावासों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिये और उन्होंने स्पेन के अपने समकक्ष से इस घटना की शीघ्र जांच के लिए कहा है। स्पेन की राष्ट्रीय अदालत इस घटना की जांच आतंकवादी कृत्य मानकर कर रही है। सुरक्षा मंत्री राफेल पेरेज ने कहा कि एक प्रारंभिक मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि पहले पांच पैकेट स्पेन के भीतर से भेजे गए थे। पुलिस ने कहा कि एक 'लैटर बम'' को छोड़कर बाकी सभी को निष्क्रिय कर दिया गया।

हैती में गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई में 12 व्यक्तियों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क. हैती की राजधानी के निकट गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई में 12 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो गयी जबकि एक दर्जन से अधिक घरों को आग लगा दी गयी। शहर के महापौर ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। महापौर जोसेफ जेनसन गुइलोम ने बताया कि यह घटना मंगलवार आधी रात के आसपास पोर्ट ऑ प्रिंस के उत्तरपश्चिम स्थित एक छोटे शहर काबारेट में हुयी। उन्होंने बताया कि पूरे हैती में हिंसा में वृद्धि के मद्देनजर नगर के एक इलाके में स्थानीय लोगों को सुरक्षा गार्ड के रूप में सेवा देने के लिए तैनात किया था, लेकिन गिरोहों ने मशीनगन के बल पर उन्हें अपने नियंत्रण में ले लिया। गुइलोम ने बताया, ''वे लोग अपने बचाव के लिये कुछ भी नहीं कर पाये। यह एक भयावह घटना है।'' सोशल मीडिया पर जारी तस्वीरों एवं वीडियो में घरों के बाहर लोगों के क्षत विक्षत शव पड़े दिखे जबकि घरों में आग लगी हुयी थी। इसके अनुसार घटना में 20 से अधिक घर जलकर खाक हो गये।

यूक्रेन दूतावास में विस्फोट के एक दिन बाद स्पेन में अमेरिकी दूतावास से मिला संदिग्ध लिफाफा

इंटरनेशनल डेस्क। स्पेनिश अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेनी दूतावास की घटना के मद्देनजर मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में संदिग्ध पैकेज का पता चला है। स्पेन के अधिकारियों का कहना है कि मैड्रिड में अमेरिकी दूतावास में एक संदिग्ध लिफाफा मिला है और उसे पुलिस के नियंत्रण में रखा गया है। गुरुवार को यह खोज तब आई जब पुलिस ने स्पेन की राजधानी में भेजे जाने वाले विस्फोटक पैकेजों की एक लहर की सूचना दी, जिसमें एक यूक्रेनी दूतावास में प्रज्वलित भी शामिल था। पुलिस ने कहा कि डाक पैकेजों में छुपाए गए अन्य विस्फोटक उपकरण पिछले दो दिनों में स्पेन के रक्षा मंत्रालय, स्पेन में एक यूरोपीय संघ के उपग्रह केंद्र और यूक्रेन में भेजे जाने वाले ग्रेनेड बनाने वाले हथियारों के कारखाने को भेजे गए थे। स्पेन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि पुलिस ने अमेरिकी दूतावास में पाए गए लिफाफे में विस्फोट कर दिया। चोटों की कोई रिपोर्ट नहीं थी।

समुद्री जहाज से लटककर तय किया 3200 की.मी का सफर, बिना खाए-पिए 11 दिन बाद पहुंचे दूसरे देश

इंटरनेशनल डेस्क। तीन लोगों ने समुद्री जहाज के पतवार से लटककर करीब 3200 किमी का लंबा सफर तय किया है। इन लोगों ने नाइजीरिया के लागोस से कैनरी द्वीप का सफर जिस तरह से तय किया है, उसे जानने के बाद हरकोई हैरान रह गया है। 11वें दिन जब कैनरी द्वीप पहुंचे तो इन तीनों लोगों की हालात काफी बिगड़ गई थी। लंबी यात्रा की वजह से तीनों ही लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया से ग्रस्त हो गए। बता दें कि, कोस्ट गार्ड द्वारा अवैध रूप से स्पेनिश देश में घुसने के आरोप में तीनों लोगों को पकड़ा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों ने एक ऑइल टैंकर वाले जहाज एलिथिनी ह्वुड्ढ के पतवार पर बैठकर सफर किया। यह हिस्सा जगह के पिछले हिस्से में नीचे की ओर होता है, जो पानी से बेहद करीब होता है। ये तीनों जहाज के जिस पतवार पर बैठे हुए थे, इनकी फोटो देखने के बाद हरकोई हैरान रह गया। वायरल फोटो में इन लोगों के पैर समुद्र की लहरों से महज कुछ इंच की दूरी पर दिख रहे हैं। लोग यह सोचकर दंग रह गए कि ग्यारह दिनों तक भूखे प्यासे कैसे जीवित रहे।

प्रदर्शनकारियों पर न गोली चली न टैंकर ! चीन में पहली बार जनता के सामने नरम पड़ी सरकार

कोविड-19 प्रतिबंधों में दी जाएगी छूट

बीजिंग (एजेंसी)। चीन से भले ही कोई खबरें सामने नहीं आती हो लेकिन अब हालात काबू से बाहर हो रहे हैं। चीनी तानाशाह शी जिनपिंग की जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ लोग सड़को पर उतर आये हैं। कोविड विरोधी प्रदर्शनों ने सख्त कोविड प्रतिबंधों को समाप्त करने का आह्वान किया। अधिक चीनी शहर कड़े कोरोनोवायरस प्रतिबंधों पर अपने सख्त रुख को बदलने और कुछ वायरस प्रतिबंधों को कम करने के लिए तैयार हैं। सख्त कोविड नीतियों, लंबे लॉकडाउन और सामूहिक परीक्षण ने कई चीनी शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इस्तीफे और लॉकडाउन को समाप्त करने की मांग की। समाचार एजेंसी एपी ने बताया कि एक प्रमुख विकास में, उत्तर में ग्वांगझू और चोंगकिंग के अलावा, उत्तर में शिजियाझुआंग, दक्षिण पश्चिम में चेंगदू और अन्य प्रमुख शहरों ने अब घोषणा की है कि वे परीक्षण आवश्यकताओं और आंदोलन पर नियंत्रण को कम कर रहे हैं। यह कदम चीनी शहरों ग्वांगझू और चोंगकिंग द्वारा बुधवार को सख्त कोविड -19 प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा के बाद आया है। इस बीच चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा है कि बुजुर्ग लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने की उनकी योजना है क्योंकि उन्हें संक्रमण का 'उच्च जोखिम' है।

यहां देखें चीनी घटनाक्रम

1- अधिक चीनी शहरों ने घोषणा की है कि वे कोविड पाबंदियों में ढील दे रहे हैं क्योंकि चीन अपनी शून्य कोविड नीति के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन देख रहा है। यह जनता के गुस्से को कम करने और अधिक विरोध से बचने का प्रयास है। समाचार पत्र Yicai ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि राजधानी शहर बीजिंग ने कुछ लोगों को संक्रमण के साथ घर पर अलग-थलग करने की अनुमति देना शुरू कर दिया है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सख्त 'कोविड-19 नीति' एक और साल तक बनी रह सकती है।

2- रिपोर्ट में कहा गया है कि शेनयांग और हार्बिन में चीन के औद्योगिक केंद्रों ने घोषणा की कि जो छात्र ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेते हैं और अन्य जो बहुत कम बातचीत करते हैं, उन्हें अब वायरस परीक्षण से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी, जो दिन में एक बार किया जाता है। महामारी रोधी एजेंसी ने फैक्स द्वारा अपने कार्यालय को भेजे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

3- मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि आने वाले दिनों में पूरक उपायों की घोषणा के बीच चीन कुछ ऐसे लोगों को घर पर क्वारंटाइन करने की अनुमति देगा, जो कोविड के लिए सकारात्मक परीक्षण करते हैं। गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग और अंतर्निहित बीमारियों वाले लोग घर पर अलग-थलग रहने के योग्य होंगे।

4- एपी ने बताया सरकार ने वादा किया है कि वह संगरोध अवधि को कम करके और अन्य महत्वपूर्ण बदलाव करके अपनी 'शून्य कोविड' रणनीति के व्यवधान को कम करेगी। हालांकि, स्कूल और व्यवसाय बंद रहेंगे और आस-पड़ोस तक पहुंच को निलंबित कर दिया जाएगा।

5- बुजुर्ग आबादी को टीका लगाने के अभियान ने आशा जगाई है कि चीन गंभीर एंटी-वायरस नियंत्रण वापस ले सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि उसका अभियान 60 से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसने कहा कि यह 70 और 80 के दशक में उन लोगों तक पहुंचने के लिए मोबाइल टीकाकरण इकाइयां भेजेगा जो घर से बाहर नहीं जा सकते।

6- आयोग के अनुसार, 10 में से 9 चीनी को टीका लगाया गया है, लेकिन 80 से अधिक लोगों में से केवल 66त्न लोगों को एक टीका मिला है। जबकि 40 प्रतिशत को बूस्टर शॉट मिला और 60 वर्ष से अधिक आयु के 86 प्रतिशत लोगों ने टीका लगवाया।

7- शिनजियांग के उरुमकी में एक अपार्टमेंट इमारत में आग लगने के बाद चीन में विरोध प्रदर्शन भड़क गए, जिसमें दस लोगों की मौत हो गई और नौ घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कड़े कोविड उपायों ने बचाव कार्यों में बाधा उत्पन्न की, इस आरोप से अधिकारियों ने इनकार किया।

चीन के सख्त नियंत्रण उपायों ने इस साल घरेलू आर्थिक गतिविधियों को कम कर दिया है और आपूर्ति श्रृंखला रुकावटों के माध्यम से अन्य देशों में फैल गया है।

8- चीन में विरोध प्रदर्शनों के बीच बृहस्पतिवार कोकठोर जीरो-कोविड नीति में छूट दी गई और पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन के अंतिम संस्कार की तैयारियों के मद्देनजर देशभर में सुरक्षा बढ़ा दी गई, जिनका एक दिन पहले निधन हो गया था। मीडिया में आईं खबरों के अनुसार, ठंड के मौसम में लोगों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए पूरे चीन में पाबंदियों में ढील दी गई है। जीरो-कोविड नीति के विरोध के बाद चीन के शीर्ष औद्योगिक और व्यावसायिक केंद्र ग्वांगझू में कुछ क्षेत्रों में अस्थायी प्रतिबंध हटा दिए गए और संक्रमित लोगों के करीबी संपर्क में आए लोगों को पृथक केंद्रों के बजाय घरों में अलग रहने की अनुमति दी गई।

9- सरकारी मीडिया में आईं खबरों में कहा गया है कि बीजिंग, शिजियाझुआंग, ताइयुआन समेत कई अन्य शहरों में कोविड पाबंदियों में ढील देने की घोषणा की गई है। बीजिंग में बृहस्पतिवार को लॉकडाउन का मिला-जुला असर देखा गया। जबकि कुछ इमारतों को बंद कर दिया गया। इससे पहले लोगों ने शिकायत की थी कि जांच के लिए लंबी कतारों में खड़े होने से लोग संक्रमित हो रहे हैं। इसके बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने शिकायत की कि कोविड जांच केंद्र बंद हैं। बीते तीन साल से कोविड-19 रोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे उप प्रधानमंत्री सुन चुनलान ने प्रतिबंधों में ढील देने का संकेत दिया।

10- सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के मुताबिक, बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के विशेषज्ञों के साथ एक बैठक में सुन ने यह भी स्वीकार किया कि ओमीक्रॉन स्वरूप अधिक संक्रामक लेकिन कम घातक है। इस बीच, बीजिंग, शंघाई और कई अन्य शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सरकार अगले मंगलवार को होने वाले चीन के पूर्व राष्ट्रपति जियांग के अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटी है। जियान का बुधवार को निधन हो गया था।

महाभियोग के खतरे का सामना कर रहे हैं दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा

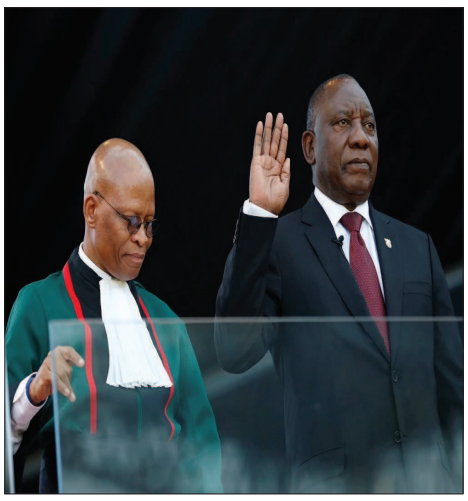

वाशिंगटन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा इस आरोपों को लेकर महाभियोग के खतरे का सामना कर रहे हैं कि उन्होंने अपने फार्म से करोड़ों डॉलर चोरी होने की बात छुपायी जिसे कथित तौर पर फर्नीचर में छुपाया गया था। रामफोसा (70) के खिलाफ 2020 में उनके निजी फार्म से चोरी से जुड़े मामले की जांच की जा रही है। एक स्वतंत्र समिति ने कहा कि उसे इस बात के पर्याप्त सबूत मिले हैं कि हो सकता है कि राष्ट्रपति रामफोसा ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की एक धारा का उल्लंघन किया हो और खुद को ''अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों और अपने निजी व्यवसाय के बीच टकराव की स्थिति में डालकर'' गंभीर कदाचार किया हो।

सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश सैंडिले नकोबो के नेतृत्व वाली समिति की रिपोर्ट बुधवार को नेशनल असेंबली के अध्यक्ष को सौंपी गई। इससे रामफोसा के खिलाफ संभावित महाभियोग की कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त हो गया। इस साल की शुरुआत में यह घटना तब सुर्खियों में आयी थी जब चोरों नेकथित रूप से लाखों डॉलर की चोरी कर ली थी। कहा जाता है कि रामफोसा संबंधित अधिकारियों को इस घटना की जानकारी देने में विफल रहे और कई महीनों तक यह नहीं बताया कि धनराशि कहां से आयी। बाद में उन्होंने जांच समिति को बताया कि धनराशि जानवरों की बिक्री से प्राप्त हुई थी।

अमेरिका ने मिसाइल कार्यक्रम को लेकर उत्तर कोरिया पर लगाए नए प्रतिबंध

वाशिंगटन अमेरिका ने उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ दल की केंद्रीय समिति के तीन सदस्यों पर देश के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल रहने के आरोप में प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त विभाग ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा है कि इसने वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के निदेशक तथा उप निदेशक क्रमशः जॉन इल हो तथा यू जिन को प्रतिबंधित कर दिया है, इसके अलावा केंद्रीय समिति के एक अन्य सदस्य किम सू गिल पर भी प्रतिबंध लगाया है।

वित्त विभाग ने कहा कि उनके बैंक खातों और अन्य आर्थिक संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है तथा उनके साथ किसी प्रकार का लेन देन अथवा व्यवसाय करने से अमेरिकियों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। दक्षिण कोरिया ने इस साल बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम की गति बढाते हुये 60 से अधिक परीक्षण किये हैं, जिसके बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर दबाब बढ़ गया है।

वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का उल्लंघन करते हुये उत्तर कोरिया के हथियारों को विकसित करने में तीन अधिकारियों ने ''महत्वपूर्ण भूमिका निभाई'' और 2017 के बाद बड़ी संख्या में बैलेस्टिक मिसाइलों के परीक्षण में व्यक्तिगत रूप से शामिल रहे। इन तीनों को इससे पहले यूरोपीय संघ ने भी दंडित किया था तथा उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ पूर्व में लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में भी इन तीनों को शामिल किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में होगा महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस दिसंबर महीने के लिए 15 देशों वाली सुरक्षा परिषद की भारत की अध्यक्षता के दौरान संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 14 दिसंबर को महात्मा गांधी की एक आवक्ष प्रतिमा का अनावरण करेंगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक-एक महीने के लिए क्रमवार मिलने वाली अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भारत ने बृहस्पतिवार को संभाली। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के एक निर्वाचित सदस्य के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान अगस्त 2021 के बाद दूसरी बार परिषद का अध्यक्ष पद संभाल रहा है।

महात्मा गांधी की प्रतिमा संयुक्त राष्ट्र भवन के प्रतिष्ठित उत्तरी लॉन में स्थापित की जाएगी। ऐसा पहली बार होगा कि जब यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महात्मा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साधारण समारोह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)सदस्यों की उपस्थिति में होगा। इनमें पांच नए परिषद सदस्य - इक्वाडोर, जापान, माल्टा, मोजाम्बिक और स्विट्जरलैंड शामिल होंगे। महात्मा गांधी की यह प्रतिमा पद्मश्री से सम्मानित जानेमाने भारतीय मूर्तिकार राम सुतार द्वारा बनाई गई है जिन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को भी डिजाइन किया है।

गांधी की यह प्रतिमा भारत की ओर से एक उपहार होगी। परिषद में भारत का 2021-2022 का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। इसमें न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहली महिला स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज,दिसंबर महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष पद संभाल रही हैं। भारत की अध्यक्षता और मासिक कार्य को लेकर यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कंबोज ने कहा कि भारत की अध्यक्षता के दौरान 14 और 15 दिसंबर को परिषद में जयशंकर की अध्यक्षता में सुधार बहुपक्षवाद और आतंकवाद रोध संबंधी दो कार्यक्रमों के अलावा दो अन्य कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

कंबोज ने कहा, ''पहला कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र में महात्मा गांधी के आगमन को चिह्नित करेगा।'' पांच नए सदस्यों का परिषद में दो साल का कार्यकाल 1 जनवरी, 2023 से शुरू होगा और ये देश भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको और नॉर्वे की जगह लेंगे। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कला की उल्लेखनीय कृतियों में जर्मनी द्वारा दान की गई बर्लिन की दीवार का एक हिस्सा, सोवियत मूर्तिकला लेट अस बीट स्वॉर्ड्स इनटू प्लोशर , दक्षिण अफ्रीका द्वारा उपहार में दी गई नेल्सन मंडेला की आदमकद कांस्य प्रतिमा आदि शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रदर्शन के लिए भारत की ओर से एकमात्र अन्य उपहार सूर्य देवता की 11वीं सदी की काले पत्थर की एक सूर्य की मूर्ति है, जिसे 26 जुलाई, 1982 को उपहार स्वरूप दिया गया था।

दक्षिण कोरिया ने सैन्य तैयारियों को लेकर उत्तर कोरिया पर नये प्रतिबंध लगाए

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रम को आर्थिक सहयोग देने की अवैध गतिविधियों में संदिग्ध रूप से लिप्त सात कंपनियों और आठ व्यक्तियों पर दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया। दक्षिण कोरिया में बिना अनुमति के उत्तर कोरिया के साथ किसी भी तरह का कारोबार करने पर मनाही है। यह कदम काफी हद तक सांकेतिक है, क्योंकि दोनों विरोधी देशों के बीच बहुत कम वित्तीय सौदे होते हैं। बहरहाल, दक्षिण कोरिया के इस कदम पर उत्तर कोरिया असहज होकर प्रतिक्रिया दे सकता है। उत्तर कोरिया ने पिछले महीने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल और उनकी सरकार को 'मूर्ख' और 'अमेरिका की ओर से दी गई हड्डी चबाता जंगली कुत्ता' करार दिया था।

इसके बाद सियोल ने कहा था कि वह प्योंगयांग पर और अधिक एक पक्षीय प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। अमेरिकी कोषागार विभाग की ओर से उत्तर कोरिया की सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी के तीन सदस्यों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने के थोड़ी देर बाद ही दक्षिण कोरिया की ओर से भी प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया गया। उत्तर कोरिया के परमाणु और बैलिस्टिक हथियारों के विकास में मदद करने के लिए अमेरिका ने इन तीनों पर प्रतिबंध लगाया। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया की ओर से बढ़ते हथियार के खतरों के मद्देनजर सियोल ने ये प्रतिबंध लगाए हैं। उत्तर कोरिया की ओर से पिछले महीने किये गये एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण को लेकर सियोल ने यह बात कही।

इस परीक्षण में यह दर्शाया गया था कि उत्तर कोरिया की मिसाइल अमेरिका की मुख्य धरती तक पहुंच सकती है। जिन आठ लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें से छह लोग चार उत्तर कोरियाई बैंकों के अधिकारी हैं, एक चेन शिह हुआन नाम का ताइवानी नागरिक है और एक व्यक्ति क्रेक की सेयुंग सिंगापुर का निवासी है। प्रतिबंधित की गई सात कंपनियों में से चार उत्तर कोरिया की हैं, जबकि तीन सिंगापुर स्थित शिपिंग कंपनी हैं।

संपादकीय

सार्थक पहल

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और इंडोनेशिया के राजनीतिक, कानूनी एवं सुरक्षा मामलों के समन्वय मंत्री मोहम्मद महफूद की उपस्थिति में इस्लामिक विद्वानों और उलेमाओं के सम्मेलन में इस बात को स्वीकारा गया कि लोकतंत्र में नफरत के लिये कोई जगह नहीं है।

कट्टरता पर प्रहार करे धार्मिक चेतना/ भारत और इंडोनेशिया द्वारा अंतर-धार्मिक शांति एवं सामाजिक सौहार्द की संस्कृति को आगे बढ़ाने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। जरूरत इस बात की है कि सभी धर्मों के पथ-प्रदर्शक प्रगतिशील सोच के साथ लोकतंत्र और राष्ट्रीय सरोकारों को तरजीह दें। निस्संदेह, समाज को अतिवाद से मुक्त करने में इस्लामिक विद्वानों और उलेमाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और इंडोनेशिया के राजनीतिक, कानूनी एवं सुरक्षा मामलों के समन्वय मंत्री मोहम्मद महफूद की उपस्थिति में इस्लामिक विद्वानों और उलेमाओं के सम्मेलन में इस बात को स्वीकारा गया कि लोकतंत्र में नफरत के लिये कोई जगह नहीं है। दोनों ही देशों ने स्वीकार किया कि अभी दुनिया में आईएस समेत कई दिग्भ्रमित संगठनों से प्रेरित आतंकवाद का खतरा टला नहीं है। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की इस बात से सहमत हुआ जा सकता है कि प्रगतिशील विचारों से कट्टरपंथ और चरमपंथ का मुकाबला करने में उलेमा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उलेमा समाज से गहरे तक जुड़े होते हैं, जो लोकतंत्र में पूर्वाग्रह व नफरत की सोच के खिलाफ प्रगतिशील दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं। दरअसल, 'भारत और इंडोनेशिया में अंतर-धार्मिक शांति एवं सामाजिक सौहार्द की संस्कृति को आगे बढ़ाने में उलेमाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का निष्कर्ष यह भी था कि भ्रांतियों व अलगाव की सोच को दूर करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। जिससे कट्टरता की सोच पर प्रहार किया जा सके। यह जानते हुए कि भारत तथा इंडोनेशिया विगत में आतंकवाद से गहरे तक पीड़ित रहे हैं, यदि इस दिशा में दोनों देश गंभीर व सार्थक पहल करते हैं तो वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई लड़ी जा सकती है। विगत के अनुभव बताते हैं कि धार्मिक कट्टरता के जरिये युवाओं को बरगलाकर आतंकवाद को सींचा जाता रहा है। इससे न केवल उन युवाओं का भविष्य खराब होता है बल्कि उनका इस्तेमाल निर्दोष लोगों को निशाना बनाने के लिये किया जाता है। निस्संदेह, दुनिया के हर धर्म का लक्ष्य किसी भी समाज में शांति, सौहार्द और सहिष्णुता को संबल देना ही होता है। ऐसे में यदि उसका उपयोग निहित स्वार्थों के लिये होता है, तो किसी भी धर्म के प्रगतिशील व प्रभावी लोगों को इस दिशा में पहल करके समाज में सौहार्द को अक्षुण्ण रखना चाहिए। निस्संदेह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा व देश में शांति स्थापना में धार्मिक गुरुओं की निर्णायक भूमिका हो सकती है। वे दिग्भ्रमित व कट्टर सोच वाले तत्वों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने का काम कर सकते हैं। दुनिया के सबसे बड़े इस्लामिक देश इंडोनेशिया और दूसरी बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश भारत की तरफ से होने वाली इस रचनात्मक पहल के दूरगामी व सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं। बशर्ते सत्ताधीश इस दिशा में ईमानदार पहल करें। साथ ही यह विचार केवल सेमिनारों व संगोष्ठियों तक ही सीमित न रह जाये। इसे व्यावहारिक अमलीजामा पहनाने के लिये बड़े पैमाने पर कार्य किया जाये। सामाजिक संस्थाएं और समाज के बुद्धिजीवी इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। भारत जैसा देश जो सीमा पार से लगातार आतंकवाद की चुनौती का सामना करता रहा है, उसका प्रतिकार करने में देश के नागरिक प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें राष्ट्र को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा और सीमापार से रची जा रही साजिशों को नाकाम करना होगा। देश में अमन-चैन हमारी रोजी-रोटी और देश की अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक प्रगति के लिये अनिवार्य शर्त है। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि आतंक की पाठशाला बने देशों से आने वाले चरमपंथियों का खतरा अभी टला नहीं है।

सूक्ति

पृथ्वी पर तीन रत्न हैं। जल अन्न और सुभाषित लेकिन अज्ञानी पत्थर के टुकड़े को ही रत्न कहते हैं। कालिदास

ईश्वर ने संसार को कर्म प्रधान बना रखा है इसमें जो मनुष्य जैसा कर्म करता है उसको वैसा ही फल प्राप्त होता है। - गोस्वामी तुलसीदास

लॉफिंग ज़ोन

मेहमान, 'मैं कल जा रहा हूं। आपको कुछ बुरा तो लग रहा होगा।'

मेजबान, 'जी हां, लग तो रहा है। मैंने सोचा था कि आप आज ही चले जाएंगे।'

□ □ □

अध्यापक, 'कारण और परिणाम का बहुत गहरा संबंध हैं और यह तो सब जानते ही हैं कि बगैर मुर्गी के अंडा पैदा नहीं कर सकता।'

बंटू (बात को काटते हुए), 'मेरे पिताजी कर सकते हैं।'

अध्यापक, 'कैसे ?'

बंटू 'उन्होंने जो बतख जो पाल रखी हैं।'

□ □ □

नौकर (मालिक से), 'अब मैं यहां काम नहीं करूंगा। मुझे यहां ऐसा खाना मिलता है जिस कुत्ते भी नहीं खा सकते।' मालिक, 'ठीक है, अब से तुम्हें ऐसा खाना दिया जाएगा जिसे कुत्ते खा सकते हों।'

□ □ □

एक मूर्ख किसी भी हंसने वाली बात पर तीन बार हंसता था। किसी ने कारण पूछा तो वह बोला, 'पहली बार मैं आप हंसता हूं। दूसरी बार तब हंसता हूं जब बात मेरी समझ में आ जाती है और तीसरी बार तब हंसता हूं जब मुझे अपनी बेवकूफी की याद आती है।'

38 वर्षों बाद भी हरे हैं गैस त्रासदी पीड़ितों के जख्म

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- भोपाल गैस त्रासदी दिवस (3 दिसम्बर) पर विशेष

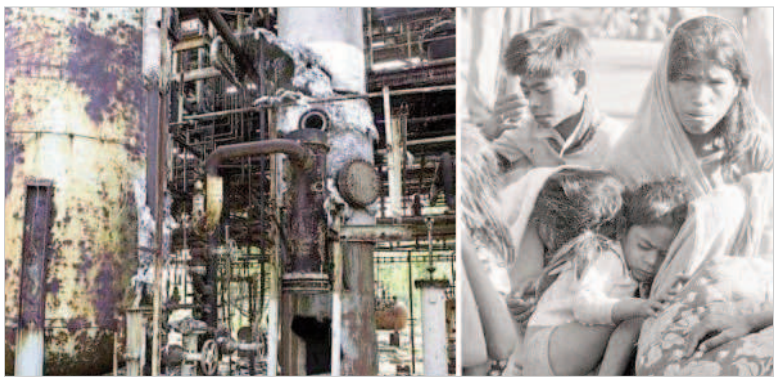

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में वर्ष 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 38 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 38 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे।

हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। मिक के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन हाइड्रोजन सायनाइड कार्बन मोनो-ऑक्साइड हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फैंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी सिर चकरा रहा था बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे। भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 38 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रूख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भूजल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हालांकि यूनियन कार्बाइड कारखाने के कुछ टन कचरे का निस्तारण इन्दौर के पास पीथमपुर में किया जा चुका है लेकिन पर्यावरण पर उसका क्या असर पड़ा यह एक रहस्यमयी पहेली है। यहां जहरीली गैसों का खतरा अभी भी बरकरार है क्योंकि उस त्रासदी के कई टन जहरीले कचरे का निस्तारण अब भी एक बड़ी चुनौती है जो हादसे की वजह बने यूनियन कार्बाइड कारखाने में कवर्ड शेड में मौजूद है। इसके खतरे को देखते हुए यहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित है। जहरीली गैस के कारखाने से निकले इस खतरनाक कचरे के निपटान के लिए सरकार कोई गंभीर प्रयास नहीं कर पाई है और करीब 38 सालों से पड़ा यह कचरा कारखाने के आसपास की जमीन जल और वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

3 दिसंबर- विश्व विकलांग दिवस

3 दिसंबर/ लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

हर साल 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकलांग व्यक्तियों का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी और 1992 से संयुक्त राष्ट्र के द्वारा इसे अंतरराष्ट्रीय रीति-रिवीज़ के रुप में प्रचारित किया जा रहा है। विकलांगों के प्रति सामाजिक कलंक को मिटाने और उनके जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये उनके वास्तविक जीवन में बहुत सारी सहायता को लागू करने के द्वारा तथा उनको बढ़ावा देने के लिये साथ ही विकलांग लोगों के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देने के लिये इसे सालाना मनाने के लिये इस दिन को खास महत्व दिया जाता है। 1992 से इसे पूरी दुनिया में ढ़ेर सारी सफलता के साथ इस वर्ष तक हर साल से लगातार मनाया जा रहा है।

समाज में उनके आत्मसम्मान सेहत और अधिकारों को सुधारने के लिये और उनकी सहायता के लिये एक साथ होने के साथ ही लोगों की विकलांगता के मुद्दे की ओर पूरे विश्वभर की समझ को सुधारने के लिये इस दिन के उत्सव का उद्देश्य बहुत बड़ा है। जीवन के हरेक पहलू में समाज में सभी विकलांग लोगों को शामिल करने के लिये भी इसे देखा जाता है जैसे राजनीतिक आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक। इसी वजह से इसे 'विश्व विकलांग दिवस' के शीर्षक के द्वारा मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस का उत्सव हर साल पूरे विश्वभर में विकलांग लोगों के अलग-अलग मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है।

इतिहास

वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा 'विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष' के रुप में वर्ष 1981 को घोषित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर विकलांगजनों के लिये पुनरुद्धार रोकथाम प्रचार और बराबरी के मौकों पर जोर देने के लिये योजना बनायी गयी थी। समाज में उनकी बराबरी के विकास के लिये विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिये सामान्य नागरिकों की तरह ही उनके सेहत पर भी ध्यान देने के लिये और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिये 'पूर्ण सहभागिता और समानता' का थीम विकलांग व्यक्तियों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के उत्सव के लिये निर्धारित किया गया था।

सरकारी और दूसरे संगठनों के लिये निर्धारित समय-सीमा प्रस्ताव के लिये संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा 'विकलांग व्यक्तियों के संयुक्त राष्ट्र दशक' के रुप में वर्ष 1983 से 1992 को घोषित किया गया था जिससे वो सभी अनुशंसित क्रियाकलापों को ठीक ढंग से लागू कर सकें।

कैसे मनाया जाता है

उनकी सहायता और नैतिकता को बढ़ाने के लिये साथ ही साथ विकलांगजनों के लिये बराबरी के अधिकारों को सक्रियता से प्रसारित करने के लिये उत्सव के लिये पूरी दुनिया से लोग उत्साहपूर्वक योगदान देते हैं। कला प्रदर्शनी के आयोजन के द्वारा इस महान उत्सव को मनाया जाता है जो उनकी क्षमताओं को दिखाने के लिये विकलांग लोगों के द्वारा बनायी गयी कलाकृतियों को बढ़ावा देता है।

समाज में विकलांगजनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरुकता को बढ़ाने के साथ ही विकलांग लोगों की कठिनाईयों की ओर लोगों का ध्यान खींचने के लिये विरोध क्रियाओं में सामान्य लोग भी शामिल होते हैं।

लक्ष्य

इस उत्सव को मनाने का महत्वपूर्ण लक्ष्य विकलांगजनों के अक्षमता के मुद्दे की ओर लोगों की जागरुकता और समझ को बढ़ाना है। समाज में उनके आत्म-सम्मान लोक-कल्याण और सुरक्षा की प्राप्ति के लिये विकलांगजनों की सहायता करना।

जीवन के सभी पहलुओं में विकलांगजनों के सभी मुद्दे को बताना। इस बात का विश्लेषण करें कि सरकारी संगठन द्वारा सभी नियम और नियामकों का सही से पालन हो रहा है य नहीं।

समाज में उनकी भूमिका को बढ़ावा देना और गरीबी घटाना बराबरी का मौका प्रदान कराना उचित पुनर्सुधार के साथ उन्हें सहायता देना। उनके स्वास्थ्य सेहत शिक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा पर ध्यान केन्द्रित करना।

मनाना क्यों आवश्यक है

ज्यादातर लोग ये भी नहीं जानते कि उनके घर के आस-पास समाज में कितने लोग विकलांग हैं। समाज में उन्हें बराबर का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। अच्छी सेहत और सम्मान पाने के लिये तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिये उन्हें सामान्य लोगों से कुछ सहायता की जरुरत है । लेकिन आमतौर पर समाज में लोग उनकी सभी जरुरतों को नहीं जानते हैं। आँकड़ों के अनुसार ऐसा पाया गया है कि लगभग पूरी दुनिया के 15त्न लोग विकलांग हैं।

इसलिये विकलांगजनों की वास्तविक स्थिति के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिये इस उत्सव को मनाना बहुत आवश्यक है। विकलांगजन 'विश्व की सबसे बड़ी अल्पसंख्यकों' के तहत आते हैं और उनके लिये उचित संसाधनों और अधिकारों की कमी के कारण जीवन के सभी पहलुओं में ढ़ेर सारी बाधाओं का सामना करते हैं।

(चिंतन-मनन)

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

मानुषी छिल्लर कर रहीं इस बिजनेसमैन को डेट, लिव इन में हुईं शिफ्ट!

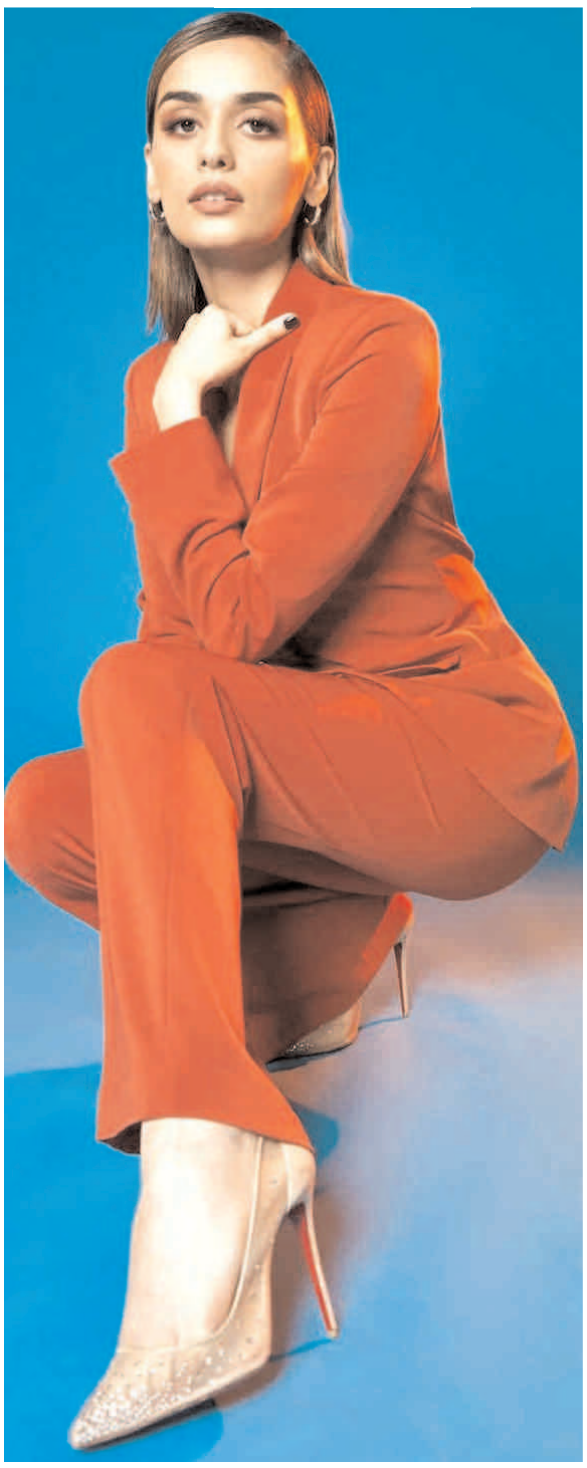

बॉलीवुड इंडस्ट्री से हर दिन किसी ना किसी सेलेब्स के लिंकअप और ब्रेकअप की खबरें आती रहती हैं। अब पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरों के अनुसार मानुषी कथित तौर पर बिजनेसमैन निखिल कामत के साथ रिलेशनशिप में हैं। बताया जा रहा है कि मानुषी और निखिल कामत 2021 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर साथ में ट्रिप पर जाते हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों साथ में लिव इन में भी रह रहे हैं। दोनों के परिवारवालों को इस रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, मानुषी और निखिल का रिश्ता हर दिन के साथ काफी मजबूत हो रहा है। मानुषी वर्तमान में अपने अभिनय करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और यही एक कारण है कि वह अपनी लव लाइफ के बारे में बात नहीं करना चाहतीं। बिजनेसमैन निखिल कामत इंडियन फाइनेंशियल कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर है। निखिल ने 2019 में इटली में अमांडा नाम की महिला से शादी चराई थी। हालांकि एक साल के भीतर ही दोनों अलग हो गए थे। निखिल ने 2021 में तलाक ले लिया था।

मिताली नाग ने बताया आशिकाना 2 के लिए हां क्यों कहा

स्ट्रीमिंग शो आशिकाना के दूसरे सीजन में एक नया मोड़ लाने वाली अभिनेत्री मिताली नाग ने खुलासा किया है कि किस चीज ने उन्हें शो के लिए हामी भरने के लिए मजबूर किया। अभिनेत्री ने साझा किया कि शो के साथ ओटीटी के स्थान पर काम करने का अवसर कुछ ऐसा है जिसने उनके लिए डील को सील कर दिया क्योंकि उन्होंने टेलीविजन से स्ट्रीमिंग माध्यम में एक सफल परिवर्तन करने के बारे में सोचा। इसके बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, इसलिए जब कास्टिंग डायरेक्टर डिंपी ने मुझे आशिकाना सीजन 2 की पेशकश की, तो ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश थी क्योंकि सीरीज एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होती है। इसने मुझे टीवी से ओटीटी में छलांग लगाने का मौका दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि यह शो के निर्देशक की कहानी कहने की क्षमता थी जिसने उसे स्ट्रीमिंग सीरीज लेने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से मेरे की थी। मुझे पता है कि वह कितनी रचनात्मक हैं इसलिए मुझे यकीन था कि आशिकाना 2 भी एक अनूठा शो होने वाला था। आशिकाना सीजन 2 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होता है।

ऋतिक ने सबा के साथ रहने की खबरों को किया खारिज

ऋतिक रोशन ने अपनी कथित गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ रहने की सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वॉर स्टार और उनकी पार्टनर सबा जल्द ही एक साथ रहने वाले हैं। यह भी कहा कि वे यहां मन्नत नामक एक इमारत में एक अपार्टमेंट में एक साथ रहने की योजना बना रहे थे। हालांकि, ऋतिक ने ट्विटर पर इस अफवाह का खंडन करने के लिए कहा, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने अपने ट्विटर पर समाचार रिपोर्ट साझा की और कहा, एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में, मैं समझता हूं कि मैं जिज्ञासा के दायरे में रहूंगा, लेकिन यह सबसे अच्छा है अगर हम गलत सूचनाओं को दूर रखें, खासकर हमारे रिपोर्ताज में, जो एक जिम्मेदारी का काम है। अभिनय के मोर्चे पर, उन्हें हाल ही में विक्रम वेधा में सैफ अली खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए देखा गया था। वह अगली बार फाइटर में दिखाई देंगे, जिसे दीपिका पादुकोण के साथ भारत की पहली एरियल एक्शन मैग्नम ओपस के रूप में पेश किया जाएगा।

वेकेशन मनाने गईं तारक मेहता की बबीता जी का हुआ एक्सीडेंट

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो सभी का फेवरेट है। शो के हर किरदार ने दर्शकों के बीच एक अलग जगह बनाई है। बीते दिनों शो में चंपक चाचा का किरदार निभाने वाले एक्टर अमित भट्ट शूटिंग सेट पर घायल हो गए थे। अब शो में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता का भी एक्सीडेंट हो गया है। मुनमुन दत्ता ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करके दी है। मुनमुन इन दिनों यूरोप घूमने निकली हैं। लेकिन दुर्भाग्य से जर्मनी में उनका एक्सीडेंट हो गया। अपनी इंस्टा स्टोरी में मुनमुन ने बताया, जर्मनी में मेरा एक छोटा सा एक्सीडेंट हो गया था। मेरे बाएं घुटने में काफी चोट लगी है। इसलिए मुझे अपना टूर खत्म करके घर वापस लौटना पड़ा है। इसके साथ उन्होंने टूटे हुए दिल वाली इमोजी भी लगाई है। बता दें कि मुनमुन दत्ता बीते दिनों स्विट्जरलैंड के इंटरलेकन से ट्रेन से जर्मनी गई थीं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो से खूब पॉपुलैरिटी बटोरी हैं। वह इस शो में शुरुआत से नजर आती फिल्म हॉलिडे में भी नजर आ चुकी हैं।

कंसर्ट के बाद अचानक चली गई श्रेया की आवाज

बॉलीवुड की फेमस सिंगर श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। श्रेया ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और बंगाली गानों में भी अपनी आवाज दी है। श्रेया घोषाल इन दिनों यूएस टूर पर है। इस बीच सिंगर ने फैंस के साथ एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। श्रेया घोषाल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करके बताया कि ऑरलैंडो कान्सर्ट के दौरान उनकी आवाज पूरी तरह से चली गई थी। डॉक्टर की मदद की वजह से वो अब ठीक है। इलाज के बाद श्रेया ने एक और कॉन्सर्ट अटेंड किया। श्रेया घोषाल ने लिखा, ऑरलैंडो में रात के म्यूजिक कान्सर्ट के बाद मैंने अपनी आवाज पूरी तरह खो दी। शुभचिंतकों के आशीर्वाद और डॉ. समीर भार्गव की बेहतरीन देखभाल के कारण मैं अपनी आवाज वापस पा सकी। इसके बाद मैं न्यूयॉर्क एरिना में 3 घंटे के संगीत समारोह में गा सकी। श्रेया ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, आज मैं बहुत इमोशनल हूं। मैं अपने बैंड, फैम और अपनी ए टीम से बहुत प्यार करती हूं। उन्होंने मेरे सबसे अच्छे और बुरे दौर में मेरा साथ दिया है। मुझे साइन करने में मदद की चाहे कुछ भी हो। हालांकि वो फिलहाल बिल्कुल ठीक है। श्रेया घोषाल ने साल 2000 में रियलिटी शो सारे गा मा में भाग लिया था। इसके बाद संजय लीला भंसाली ने उन्हें 2002 में फिल्म देवदास से गाने का मौका दिया। श्रेया ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुकी हैं।

धड़कनें बढ़ा देती हैं आश्रम वाली त्रिधा की ये तस्वीरें

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी लोकप्रिय वेब सीरीज आश्रम के जरिए रातो रात इंटरनेट सेंसेशन बनीं त्रिधा चौधरी 22 नवंबर 2022 को अपना 29वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जन्मीं त्रिधा साल 2013 से ही दर्शकों को एंटरटेन करती आ रही हैं। उन्होंने तमाम बंगाली, तेलुगू और हिंदी फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है। लेकिन वेब सीरीज आश्रम में उनका बबीता जी वाला किरदार लोग कभी नहीं भूल पाए।

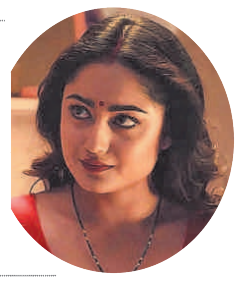

-आश्रम में क्या था त्रिधा चौधरी का किरदार?

साल 2020 में आई वेब सीरीज आश्रम में त्रिधा ने सती की पत्नी बबीता का किरदार निभाया था। एक ऐसी लड़की जिसे आश्रम के लोग वैश्यालय से लाकर उसकी शादी आश्रम में काम करने वाले लड़के से करवा देते हैं। सीरीज में न सिर्फ त्रिधा चौधरी की एक्टिंग काबिल-ए-तारीफ थी, बल्कि उनकी बोल्ड अदाओं पर भी फैंस मर मिटे।

-जब फैंस ईशा गुप्ता से करने लगे थे तुलना

त्रिधा चौधरी ने सीरीज में कई बोल्ड सीन दिए थे और उन्होंने इन सीन्स को इतनी खूबसूरती से किया कि देखने वालों की धड़कनें बढ़ गई। इतना ही नहीं त्रिधा चौधरी के बाद अगली सीरीज में जब मेकर्स ने ईशा गुप्ता को साइन किया तो बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईशा वो कमाल नहीं दिखा पाई जो ईशा गुप्ता ने अपने किरदार के जरिए किया था।

-सुपरहिट हो गई थी बॉबी देओल की सीरीज

त्रिधा चौधरी को बॉबी देओल स्टारर इस सीरीज के जरिए खूब फेम मिला। बता दें कि बॉबी देओल ने इस सीरीज में लीड रोल प्ले किया था। आश्रम को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला इसके 3 सीजन अभी तक आ चुके हैं। सीरीज में में बॉबी देओल ने एक धूर्त बाबा का रोल प्ले किया है, जो आश्रम की आड़ में कई काले काम करता है।

शाहरुख को असाधारण काम के लिए किया जाएगा सम्मानित

मेगास्टार शाहरुख खान एक ऐसी शख्सियत हैं जिनकी लोकप्रियता की कोई सीमा नहीं है और यह पूरी दुनिया में छाए हैं। 100 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके किंग खान के नाम कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। लेकिन जैसा कि हमने कहा, बादशाह की लोकप्रियता का कोई अंत नहीं है, वह आने वाले रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने सोमवार को घोषणा की कि लेजेंड्री भारतीय अभिनेता और निर्माता शाहरुख खान को फिल्म इंडस्ट्री में उनके असाधारण योगदान के लिए रेड सी, जेद्दा में फेस्टिवल के दूसरे एडिशन के उद्घाटन समारोह के दौरान एक ऑनरी अवॉर्ड दिया जाएगा। लगभग सभी के दिलों पर राज करने वाले अभिनेता और निर्माता बॉलीवुड के बादशाह हैं और दुनिया के सबसे सफल फिल्मी सितारों में से एक हैं। फिल्म उद्योग में तीन दशकों से अधिक समय के साथ, शाहरुख खान ने अपनी कोशिशों के लिए कई पुरस्कार और ढेर सारी तारीफ हासिल की, भारत और दुनिया भर में एक असाधारण करियर बनाया है। इसके अलावा, सेल्फ मेड स्टार बनने का उनका सफर वास्तव में सभी के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। रेड सी आईएफएफ के सीईओ मोहम्मद अल तुर्की ने इस पर बात करते हुए कहा, हम शाहरुख खान को सम्मानित करते हुए रोमांचित हैं, जो एक उल्लेखनीय प्रतिभा और ग्लोबल सुपरस्टार हैं। उन्होंने अपने शुरुआती प्रदर्शनों से दर्शकों को आकर्षित किया है और आज काम करने वाले दुनिया के सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक हैं। इंडस्ट्री में 30 सालों के बाद, शाहरुख खान भारतीय सिनेमा के सबसे सफल सुपरस्टारों में से एक हैं और दुनिया भर के दर्शकों द्वारा पसंद किए जाते हैं। हम इस दिसंबर में जेद्दा में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

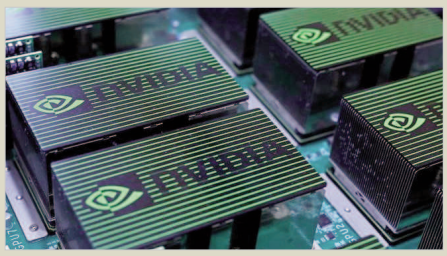

मोनार्क ट्रैक्टर ने एनवीडिया एआई चिप्स द्वारा संचालित इलेक्ट्रिक रोबोट ट्रैक्टरों का खुलासा किया

सैन फ्रांसिस्को। इलेक्ट्रिक स्मार्ट ट्रैक्टर कंपनी मोनार्क ट्रैक्टर ने नए इलेक्ट्रिक रोबोट ट्रैक्टरों का खुलासा किया है जो एनवीडिया के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) चिप्स द्वारा संचालित हैं।एनवीडिया ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि एक लॉन्च इवेंट में, ट्रैक्टर कंपनी ने छह फाउंडर सीरीज एमके-वी ट्रैक्टरों में से पहले का अनावरण किया और खुलासा किया कि वाइन और स्पिरिट्स के एक प्रमुख निर्माता और बीयर आयातक कॉन्स्टेलेशन ब्रांड्स इसके पहले ग्राहक होंगे। किसानों को उनके कार्बन पदचिह्न को कम करने, क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ाने, कृषि कार्यों को कारगर बनाने और उनकी निचली रेखाओं को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए, ट्रैक्टर विद्युतीकरण, स्वचालन और डेटा विश्लेषण को जोड़ता है। एमके-वी ट्रैक्टर ऊर्जा लागत और डीजल उत्सर्जन को कम करता है, साथ ही हानिकारक हर्बिसाइड्स को कम करने में मदद करता है, जो महंगे हैं और मिट्टी को नष्ट करते हैं। मोनार्क ट्रैक्टर के सीईओ प्रवीण पेनमेत्सा ने कहा, सटीक एजी (कृषि), स्वायत्तता और एआई के साथ, डेटा उपयोग किए गए रसायनों की मात्रा को कम करेगा, जो मिट्टी के लिए अच्छा है, लाभप्रदता के दृष्टिकोण से किसान के लिए अच्छा है और उपभोक्ता के लिए अच्छा है। एनवीडिया ने कहा, मोनार्क एनवीडिया इंसेप्शन प्रोग्राम का सदस्य है, जो स्टार्टअप्स को टेक्नोलॉजी सपोर्ट और एआई प्लेटफॉर्म गाइडेंस मुहैया कराता है। एमके-वी, जो बैटरी प्रदर्शन में प्रगति प्रदान करता है, एनवीडिया जेटसन प्लेटफॉर्म से ऊर्जा कुशल कंप्यूटिंग प्राप्त करता है। पेनमेत्सा ने कहा, यह सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मोनार्क पूरी तरह से चालक रहित संचालन के लिए अभिप्रेत है। संस्थापक श्रृंखला एमके-वी में दो 3डी (तीन आयाम) कैमरे और छह स्टैंडर्ड कैमरे हैं। ट्रैक्टर कम चार्ज होने या पथ में बाधा डालने वाली अज्ञात वस्तु होने पर अलर्ट भेजने सहित कई सुविधाएँ प्रदान करता है।

केंद्र सरकार को पावर ग्रिड, ऑयल इंडिया लिमिटेड से लाभांश प्राप्त हुआ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को शुक्रवार को लाभांश के हिस्से के रूप में पावर ग्रिड और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) से क्रमशः 1,791 करोड़ रुपये और 276 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, सरकार को लाभांश के हिस्से के के रूप में बीईएल, मझगांव डॉक और मिधानी से क्रमशः 187 करोड़ रुपये, 28 करोड़ रुपये और 21 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव तुहिन कांता पांडे ने ट्वीट कर दी। पिछले हफ्ते सरकार को देश के सबसे अमीर सरकारी स्वामित्व वाली एक्सप्लोरर ओएनजीसी से लाभांश के रूप में 5,001 करोड़ रुपये मिले थे।

नवंबर में पाकिस्तान की महंगाई दर बढ़कर 23.8 प्रतिशत हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) साल दर साल नवंबर में 23.8 फीसदी बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 11.5 फीसदी दर्ज किया गया था। पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार- पीबीएस के मुताबिक, अक्टूबर के पिछले महीने में 26.6 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में नवंबर में सीपीआई में भी साल दर साल सुधार देखा गया। महीने-दर-महीने के आधार पर, नवंबर में सीपीआई में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले महीने में 4.7 प्रतिशत और नवंबर 2021 में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जैसा कि पीबीएस के आंकड़ों से पता चलता है। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि नवंबर में देश की सीपीआई में मामूली कमी आने की उम्मीद है और यह संभवतः 23 से 25 फीसदी के बीच रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुचारू घरेलू आपूर्ति, अपरिवर्तित ऊर्जा कीमतों और स्थिर विनिमय दर के कारण मुद्रास्फीति का दबाव कम होने की उम्मीद थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। इसी के साथ ही गत दिनों से जारी उसकी तेजी पर अंकुश लग गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार रिकार्ड तेजी पर बंद हुआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 415.69 अंक करीब 0.66 फीसदी नीचे आकर 62868.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 604.56 अंक तक गिरा था। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 116.40 अंक तकरीबन 0.62 फीसदी नीचे आकर 18696.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा हिंदुस्तान युनिलीवर मारुति नेस्ले इंडिया एचडीएफसी एशियन पेंट्स बजाज फाइनेंस और पावरग्रिड के शेयर मुख्य रूप से गिरे। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील डॉ. रेड्डीज टेक महिंद्रा इंडसइंड बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी जापान का निक्की चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट नीचे आया। बाजार जानकारों के अनुसार दुनिया भर के बाजारों में हुए नुकसान और मुनाफावसूली से बाजार गिरा है। वाहन शेयरों में भी गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.13 फीसदी नीचे आकर गिरावट के साथ 86.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

इस महीने बढ़ सकती हैं बैंक की ब्याज दरें

नई दिल्ली।

इस महीने दिसंबर में पैसे से जुड़े कुछ बदलाव होने वाले हैं। इस महीने जहां डिजिटल रुपए का पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है वहीं कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें भी बढ़ सकती है। दरअसल दिसंबर में ही भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक होगी। बैठक में रेपो रेट में बढ़ोतरी ऐलान हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार यस बैंक ने एक दिसंबर से बैलेंस अलर्ट मैसेज सर्विस को बंद कर दिया है। जिन ग्राहकों को किसी पैकेज के तहत मैसेज अलर्ट सर्विस मिल रही है तो वह अब 1 दिसंबर से नहीं मिलेगी। हालांकि अगर पैकेज का सब्सक्रिप्शन टाइम बचा हुआ है मैसेज का अलर्ट पैकेज समाप्त होने तक मिलता रहेगा। बैंक ने यह निर्णय मैसेज के द्वारा साइबर क्रिमिनल द्वारा ग्राहकों के साथ की जा रही धोखाधड़ी को देखते हुए लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 7 दिसंबर को होने वाली है। बैठक में आरबीआई रेपो रेट में बढ़ोतरी कर सकता है।

कॉइनबेस ने एप्पल पर एनएफटी वॉलेट फंक्शन को हटाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया

सैन फ्रांसिस्को। प्रमुख क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइनबेस ने एप्पल पर अपने आईओएस वॉलेट एप्लिकेशन से एनएफटी (नॉन-फंजिबल टोकन) ट्रांसफर को हटाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।गुरुवार को ट्विटर पर, कॉइनबेस वॉलेट ने कहा, आपने देखा होगा कि अब आप कॉइनबेस वॉलेट आईओएस पर एनएफटी नहीं भेज सकते। ऐसा इसलिए है क्योंकि एप्पल ने हमारी आखिरी ऐप रिलीज को तब तक ब्लॉक कर दिया जब तक कि हम फीचर को डिसेबल नहीं कर देते। सीधे शब्दों में कहें तो, एप्पल ने एनएफटी में उपभोक्ता निवेश और क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र में डेवलपर नवाचार की कीमत पर अपने मुनाफे की रक्षा के लिए नई नीतियां पेश की हैं। हमें आशा है कि यह एप्पल की ओर से एक निरीक्षण है और पारिस्थितिकी तंत्र के साथ आगे की बातचीत के लिए एक विभक्ति बिंदु है। हम यहां हैं और मदद करना चाहते हैं। एप्पल ने अक्टूबर में अपने ऐप स्टोर समीक्षा दिशानिर्देशों को अपडेट किया। आईफोन निर्माता ने कॉइनबेस को सूचित किया कि वह अब अपने मौजूदा रूप में एनएफटी ट्रांसफर प्रोटोकॉल का उपयोग नहीं कर सकता है। दिशानिर्देश में उल्लेख किया गया है कि एप्लिकेशन उपयोगकर्ताओं को अपने स्वयं के एनएफटी देखने की अनुमति दे सकते हैं, बशर्ते कि एनएफटी स्वामित्व ऐप के भीतर सुविधाओं या कार्यक्षमता को अनलॉक न करे।

शाओमी 7 करोड़ से अधिक ग्राहकों के साथ नोट सीरीज के 8 साल पूरे होने का मना रहा जश्न

नई दिल्ली।

शाओमी की रेडमी नोट सीरीज ने 8 साल पहले अपने आगमन के बाद से 7 करोड़ से अधिक ग्राहक बनाए हैं, विशेष रूप से भारत में स्मार्टफोन उद्योग में नए मानदंड स्थापित किए हैं। पिछले 8 वर्षों में, इसने लेटेस्ट नवाचारों को लाकर भारतीय स्मार्टफोन परिदृश्य को बदल दिया है, जिसने उपभोक्ताओं के बीच उत्कृष्ट उद्योग मानकों, बेंचमार्क और अपेक्षाओं को स्थापित किया है।रेडमी ने 2014 में रेडमी नोट 4जी के साथ पहला नोट बैक लॉन्च किया था और उपभोक्ताओं के हाथों में सबसे किफायती 4जी स्मार्टफोन सौंपने वाले पहले ब्रांडों में से एक बन गया। कंपनी ने एक बयान में कहा, तब से, डिजाइन और प्रौद्योगिकी आगे बढ़ी है और प्रत्येक नोट के साथ, सीरीज न केवल विकसित हुई है बल्कि बढ़ती जा रही है। शाओमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अनुज शर्मा ने कहा, शाओमी ने प्रत्येक नई रेड्मी नोट सीरीज के साथ, अपग्रेड लाने पर ध्यान केंद्रित किया है जो वास्तव में सेगमेंट में एक गेम परिवर्तक हैं। पिछले 8 वर्षों में नोट सीरीज में पेश की गई सबसे विघटनकारी तकनीक कैमरा है। उन्होंने कहा, यह बजट सेगमेंट में 48 मेगापिक्सल और बाजार में 64 मेगापिक्सल पेश करने वाला पहला स्मार्टफोन था, जो मिड-प्रीमियम सेगमेंट में 108 मेगापिक्सल तक विकसित हुआ, जो उस समय मेगापिक्सल की अग्रणी गिनती थी। कंपनी ने कहा, रेडमी नोट 6 प्रो शाओमी का पहला नोट फोन था जो एक नॉच्ड डिस्प्ले के साथ आया था। रेडमी नोट 10 सीरीज के साथ, कंपनी ने एक नई ईवीओएल डिजाइन लैंगवेज पेश की, जो कार्यक्षमता और स्थायित्व पर ध्यान देने के साथ रेडमी उपकरणों के समग्र डिजाइन में रेडिकल परिवर्तन लाती है। नरेडमी पहला ब्रांड था जिसने रेडमी नोट 10 सीरीज के साथ बजट में एमोएलईडी डिस्प्ले पेश किया, ताकि उपभोक्ता अनुभव को और बढ़ाया जा सके और स्मार्टफोन पर कंटेंट की बढ़ती खपत को दूर किया जा सके। केंद्र में प्रदर्शन के साथ, रेडमी ने प्रौद्योगिकी नवाचारों का नेतृत्व किया है और 4जी और 5जी प्रौद्योगिकी तक पहुंच लाने वाले पहले ब्रांडों में से एक था। उस समय, रेडमी नोट के समान रेंज में 4जी स्मार्टफोन की कीमत प्रीमियम (20,000 रुपये से अधिक) थी, लेकिन रेडमी नोट 4जी की कीमत 9,000 रुपये थी। कंपनी ने कहा, 5जी अपेक्षित रिलीज के साथ, रेडमी इस तकनीक को जनता के लिए पेश करने वाले और अंतिम कार्यान्वयन से बहुत पहले उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने वाले पहले ब्रांडों में से एक था। सफलता का सही पैमाना वह प्रतिक्रिया है जो कंपनी को अपने पसंद करने वाले फैन समुदाय से मिली है और इसने उनके जीवन पर जो प्रभाव डाला है। कंपनी ने अनुसार, रेंज में लॉन्च किए गए पहले डिवाइस, रेडमी नोट 4 सीरीज से लेकर अब रेडमी नोट 11 सीरीज तक, प्रशंसकों और उपयोगकर्ताओं ने टॉप-ऑफ-द-लाइन सुविधाओं और विशिष्टताओं की सराहना की है, जिसने बाजार में नई ऊंचाइयों को आगे बढ़ाने में मदद की है। लगातार हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपग्रेड ने इसे सबसे विश्वसनीय विकल्प बना दिया है। कुछ अपग्रेड के साथ, रेडमी नोट सीरीज एमआईयूआई अपडेट प्राप्त करने वाला पहला प्रोडक्ट था। रेडमी नोट सीरीज को सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन सीरीज के रूप में स्थापित करने के अलावा, ब्रांड ने भारत का सबसे बड़ा स्मार्टफोन सर्विस नेटवर्क बनकर अपनी बिक्री के बाद सेवा की पहुंच सुनिश्चित की है। इससे उपभोक्ताओं को 2000 से अधिक सर्विस सेंटर नेटवर्क के साथ 19500 से अधिक पिन कोड पर रेडमी इंडिया से जुड़ने में मदद मिली है। पिछले 8 वर्षों में, इसने अपने पार्टनर प्लेटफॉर्म पर लगभग 38,00,000 से अधिक रेटिंग प्राप्त की, जिसकी औसत रेटिंग लगातार 4.5/5 रही। अक्टूबर 2022 के लिए हाल ही में सीएमआर इनसाइट्स ऑन द गो सर्वे के अनुसार, रेडमी 7,000 रुपये से 35,000 रुपये के सेगमेंट में भारत के शीर्ष गुणवत्ता वाले स्मार्टफोन ब्रांड के रूप में उभरा।

अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने फिर से कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी का बचाव किया

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने फिर से कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी का बचाव करते हुए कहा, हमें ऐसा लगता है जैसे हमें अपनी लागतों को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है।जेसी ने आर्थिक अनिश्चितता का हवाला देते हुए न्यूयॉर्क टाइम्स डीलबुक समिट में बड़े पैमाने पर छंटनी को सही ठहराया। फॉर्च्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जेसी ने यूएस में इवेंट के दौरान कहा कि महामारी के शुरुआती दिनों में अमेजन का खुदरा कारोबार तेजी से बढ़ा और इसने हमें उस समय बहुत अधिक पैसा खर्च करने और बुनियादी ढांचे के निर्माण में बहुत तेजी से निर्णय लेने के लिए मजबूर किया, जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। अमेजन के सीईओ ने कहा, हमें पता था कि हम ओवरबिल्डिंग कर सकते हैं। हालांकि अमेजन ने संख्या का खुलासा नहीं किया है, पहले की रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी अपने उपकरणों, खुदरा और मानव संसाधन विभागों में लगभग 10,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। इस महीने की शुरुआत में, जेसी ने कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि 2023 की शुरुआत में कंपनी में और छंटनी होगी क्योंकि लीडर्स ने समायोजन करना जारी रखा है। ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी ने सार्वजनिक रूप से कुछ छंटनी की पुष्टि की और जेसी ने घोषणा की है कि अधिक छंटनी जल्द होगी क्योंकि अमेजन की वार्षिक योजना प्रक्रिया नए साल तक बढ़ गई है। उन्होंने एक बयान में कहा था, उन फैसलों को 2023 की शुरुआत में प्रभावित कर्मचारियों और संगठनों के साथ साझा किया जाएगा। अमेजन व्यापक सार्वजनिक या आंतरिक घोषणाएं करने से पहले प्रभावित कर्मचारियों से सीधे संवाद करने को प्राथमिकता देगा। जेसी ने कहा, इस साल की समीक्षा इस तथ्य के कारण अधिक कठिन है कि अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण स्थिति में है और हमने पिछले कई वर्षों में लोगों को तेजी से काम पर रखा है। बड़े पैमाने पर नौकरी में कटौती ने विशेष रूप से एलेक्सा वर्चुअल असिस्टेंट बिजनेस और लूना क्लाउड गेमिंग यूनिट सहित कई डिवीजनों को प्रभावित किया है।

भारत में अपने कुछ प्रोडक्ट्स पर 20 साल की वारंटी देगा सैमसंग

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को लंबी वारंटी प्रदान करने के उद्योग में पहली बार कदम उठाते हुए सैमसंग ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत में अपने कुछ प्रोडक्ट्स पर 20 साल की वारंटी देगा।कंपनी अपनी वाशिंग मशीन में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल इन्वर्टर मोटर और रेफ्रिजरेटर में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर पर लंबी अवधि की वारंटी देगी। सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहनदीप सिंह ने एक बयान में कहा, अपने उपभोक्ताओं को स्थायी समाधान प्रदान करने की हमारी दृष्टि के साथ, हमने अपनी वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर में उपयोग किए जाने वाले डिजिटल इन्वर्टर मोटर और कंप्रेसर पर 20 साल की वारंटी पेश की है। कंपनी ने कहा कि यह पहल प्रोडक्टस की विश्वसनीयता और स्थायित्व को बढ़ाकर और ई-कचरे को कम करने और स्थिरता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर ग्राहकों के मन की शांति लाएगी। सिंह ने कहा, घरेलू उपकरणों को बार-बार बदलने से न केवल समय और ऊर्जा खर्च होती है बल्कि भौतिक कचरा भी पैदा होता है। इसलिए, इस पहल का उद्देश्य हमारे उपभोक्ताओं को मन की शांति के साथ-साथ स्थायित्व प्रदान करते हुए ई-कचरे को कम करना है। उन्नत डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर और डिजिटल इन्वर्टर मोटर गुणवत्ता और स्थिरता में कंपनी के निवेश को प्रदर्शित करते हैं, अंततः कंपनी के अनुसार उपभोक्ताओं का विश्वास प्राप्त करते हैं।

एप्पल के सीईओ ने चीन में विरोध प्रदर्शनों पर पूछे गए सवालों को किया नजरअंदाज

वाशिंगटन। (एजेंसी)

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने चीन में हिंसक विरोध पर सवालों को नजरअंदाज कर दिया है, जिसने देश में अपने प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं की फैक्ट्रियों में आईफोन प्रोडक्शन में बाधा उत्पन्न की है।फॉक्स बिजनेस ने गुरुवार देर रात सांसदों से मिलने के लिए वाशिंगटन, डीसी में कैपिटल हिल पहुंचने पर कुक से कई सवाल पूछे। कुक ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या उन्होंने चीनी लोगों के विरोध के अधिकार का समर्थन किया। एप्पल के सीईओ इस बात पर भी चुप रहे कि क्या वह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपनी कंपनी के व्यापारिक सौदों के साथ खड़े हैं या नहीं। कुक इस सप्ताह रिपब्लिकन लीडरों से मिलने के लिए वाशिंगटन में थे, क्योंकि हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी ऐप स्टोर से संबंधित अविश्वास मुद्दों पर गौर करेगी। एयरड्रॉप सुविधा उपयोगकर्ताओं को एप्पल उपकरणों के बीच कंटेंट साझा करने की अनुमति देती है। हांगकांग के 2019 के लोकतंत्र समर्थक विरोध के दौरान इस टूल का व्यापक रूप से उपयोग किया गया था। इस महीने की शुरुआत में, एप्पल आईओएस के एक अपडेट में एक अतिरिक्त एयरड्रॉप फीचर शामिल था जो केवल मुख्य भूमि चीन में बेचे जाने वाले आईफोन्स पर लागू होता था। अपडेट के तहत, आईफोन्स अब अपने एयरड्रॉप को स्विच ऑफ करने से पहले केवल 10 मिनट के लिए सभी से संदेश प्राप्त करने के लिए सेट कर सकते हैं। अन्य सेटिंग्स केवल संपर्क या प्राप्त करना के बीच फाइल-साझाकरण की अनुमति देती हैं। चीन में कोविड से संबंधित विरोध के बीच, एप्पल को आईफोन की बढ़ती कमी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हॉलिडे सेल में कमजोर बिक्री की चिंताओं के कारण पिछले सप्ताह से कंपनी के बाजार मूल्य में 165 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई है। एप्पल के आईफोन 14 प्रो मॉडल के शिपमेंट में कथित तौर पर चौथी तिमाही में 20 मिलियन की गिरावट आ सकती है। एप्पल के विश्लेषक मिंग-ची कुओ के अनुसार, आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स मॉडल की शिपमेंट उम्मीद से 15 मिलियन से 20 मिलियन यूनिट कम होगी। पिछले हफ्ते, चीन में एप्पल के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन की फैक्ट्री के कार्यकर्ता कोविड लॉकडाउन के दौरान देर से बोनस भुगतान पर विरोध के बीच सुरक्षा बलों और कंपनी के अधिकारियों से भिड़ गए।

एपिक गेम्स ने आईओएस यूजर्स के लिए रियलिटीस्कैन ऐप जारी किया

नई दिल्ली।

एपिक गेम्स और कैप्चरिंग रियलिटी ने शुक्रवार को उपयोगकर्ताओं को मुफ्त में डाउनलोड करने के लिए आईओएस पर रियलिटीस्कैन ऐप जारी किया।रियलिटीस्कैन मोबाइल उपकरणों के लिए एक 3डी स्कैनिंग ऐप है जो फोटो को आसानी से हाई-फिडेलिटी 3डी मॉडल में बदल देता है, जिसमें स्टार्ट करने के लिए किसी अनुभव की आवश्यकता नहीं होती है। कंपनी के अनुसार, इस ऐप के साथ, उपयोगकर्ताओं को बस अपने स्मार्टफोन का उपयोग करके किसी वस्तु की तस्वीर लेने की आवश्यकता होती है और ऐप इसे 3डी मॉडल में बदलने के लिए क्लाउड प्रोसेसिंग का उपयोग करेगा, जिसे बाद में स्केचफैब में निर्यात किया जा सकता है और दुनिया के साथ साझा किया जा सकता है। स्केचफैब 3डी, वीआर और एआर कंटेंट को प्रकाशित करने, साझा करने, खोजने, खरीदने और बेचने के लिए एक 3डी मॉडलिंग प्लेटफॉर्म वेबसाइट है। रियलिटीस्कैन को कैप्चरिंग रियलिटी द्वारा विकसित किया गया था, जो एक फोटोग्राममेट्री समाधान डेवलपर है जो एपिक गेम्स परिवार का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 3डी स्कैनिंग को सभी क्रिएटर्स के लिए सुलभ बनाना है। कंपनी ने कहा कि कोई भी वास्तविक दुनिया की वस्तुओं से 3डी मॉडल बनाने के लिए रियलिटीस्कैन का उपयोग कर सकता है और अपने विजुअलाइजेशन प्रोजेक्ट्स के यथार्थवाद को बेहतर बनाने के लिए उनका उपयोग कर सकता है। इसके अलावा, पूरी की गई 3डी संपत्तियों को रियलिटीस्कैन से स्केचफैब पर मूल रूप से अपलोड किया जा सकता है। इसके अलावा, रियलिटीस्कैन उपयोगकर्ता स्केचफैब पर पहली बार अपलोड करने के बाद स्वचालित रूप से स्केचफैब प्रो खाते में अपग्रेड हो जाएंगे। एपिक ने पहले कहा था कि एक एंड्रॉइड वर्जन इस साल के अंत में उपलब्ध होगा, लेकिन कंपनी के पास उस समय सीमा को पूरा करने के लिए समय समाप्त हो रहा है।

शेयरचैट अपने 5 प्रतिशत से कम कार्यबल को करेगा कम, फैंटेसी स्पोर्ट्स ऐप जीत11 को भी करेगा बंद

नई दिल्ली।

घरेलू सोशल मीडिया कंपनी शेयरचैट (मोहल्ला टेक प्राइवेट लिमिटेड) ने जीत11 नामक अपने फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म को बंद करने के बाद अपने 5 प्रतिशत से कम कर्मचारियों को कम कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।ट्विटर, गूगल, स्नैप और टाइगर ग्लोबल द्वारा समर्थित, शेयरचैट में लगभग 2,300 कर्मचारी हैं और छंटनी कंपनी में 100 से अधिक लोगों को प्रभावित करेगी, ऐसे समय में जब लगभग हर तकनीकी फर्म वैश्विक आर्थिक संकट का सामना करने के लिए व्यवसायों का पुनर्गठन कर रही हैं। शेयरचैट के प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, एक मानक व्यवसाय अभ्यास के रूप में, हम समय-समय पर अपनी रणनीतियों का मूल्यांकन करते हैं। हम पुष्टि कर सकते हैं कि हम जीत11 के संचालन को बंद कर रहे हैं और हमने अपने कुछ कार्यों को पुनर्गठित किया है, जिसका अर्थ है टीमों के भीतर इस प्रतिभा का आना और कुछ कर्मचारियों को बाहर निकाला जाएगा। प्रवक्ता ने कहा, इस प्रक्रिया ने हमारे 5 प्रतिशत से कम कर्मचारियों को प्रभावित किया है। शेयरचैट (मोहल्ला टेक प्राइवेट लिमिटेड) भारत की सबसे बड़ी घरेलू सोशल मीडिया कंपनी है, जिसके सभी प्लेटफॉर्म पर 400 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता (एमएयू) हैं। अंकुश सचदेवा, भानु प्रताप सिंह और फरीद अहसन द्वारा 2015 में स्थापित, शेयरचैट का अंतिम मूल्य 5 अरब डॉलर था और इसके पोर्टफोलियो के तहत शेयरचैट ऐप और मौज जैसे सोशल मीडिया ब्रांड हैं। जबकि शेयरचैट ऐप के 180 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं, मौज सबसे बड़ा भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म है, जिसके ऐप पर हर महीने लगभग 300 मिलियन लोग कंटेंट का उपभोग करते हैं। कंपनी ने एक प्रवक्ता ने बताया, हम अपनी योजनाओं के अनुसार विभिन्न कार्यों और भूमिकाओं में मजबूत विकास और काम पर रखने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती सोशल मीडिया कंपनी के रूप में सफल होने के लिए, हम अपनी रणनीति का नियमित रूप से आकलन करते हैं और अपने दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक बदलाव करते हैं। 2020 में लॉन्च किया गया, जीत11, ड्रीम11 और मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) पर शेयरचैट का टेक था।

डीएमआरसी दिल्ली मेट्रो चौथे चरण के कॉरिडोर के लिए 312 कोच खरीदेगी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने शुक्रवार को मेट्रो के चौथे चरण के कॉरिडोर के लिए 312 मेट्रो कोच खरीदने लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करके यात्री परिचालन के लिए अपने फेज 4 कॉरिडोर को चालू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कॉरिडोर में मजलिस पार्क से मौजपुर, जनकपुरी पश्चिम से आर.के. आश्रम मार्ग और तुगलकाबाद से दिल्ली एरोसिटी शामिल है। डीएमआरसी 312 कोचों में से 7 पिंक लाइन और 8 मैजेंटा लाइन के एक्सटेंड खंडों के लिए 234 मानक गेज कोच खरीदेगा जो मजलिस पार्क से मौजपुर और जनकपुरी पश्चिम से आर के आश्रम मार्ग तक हैं। इसके अलावा तुगलकाबाद से दिल्ली एयरोसिटी कॉरिडोर के लिए 78 स्टैंडर्ड गैज कोच खरीदे जाएंगे। ये सभी ट्रेन यात्रियों को विश्व क्लास सर्विस प्रदान करने के लिए दिल्ली मेट्रो के प्रयासों के अनुरूप अनुपयोगी परिचालन के लिए अनुकूल शर्तें और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देंगे। इन कोचों का निर्माण चेन्नई में श्रीसिटी स्थित प्लांट के निकट एल्सटॉम इंडिया में किया जाएगा। अनुबंध पर शुक्रवार को मेट्रो भवन में डीएमआरसी के निदेशक (इलेक्ट्रिकल) ओम हरि पांड और एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड के एमडी ओलिवियर लोइसन ने हस्ताक्षर किए। रिपोर्ट के अनुसार, मजेंटा लाइन के जनकपुरी वेस्ट- आरके आश्रम मार्ग विस्तार में 144 नए कोच (24 ट्रेनें), पिंक लाइन के मुकुंदपुर - मौजपुर विस्तार में 90 नए कोच (15 ट्रेनें) मिलेंगी। डीएमआरसी दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के विस्तार के हिस्से के रूप में 46 मेट्रो स्टेशनों के साथ राजधानी में तीन अलग-अलग कॉरिडोर में 65.20 किलोमीटर नई लाइन का निर्माण कर रहा है। मेट्रो विस्तार के इस चरण के तहत सभी कॉरिडोर सितंबर 2025 तक पूरे कर लिए जाएंगे। दिल्ली मेट्रो वर्तमान में 286 मेट्रो स्टेशनों के साथ 391 किलोमीटर के नेटवर्क पर चल रहा है। दिल्ली मेट्रो वर्तमान में ब्रॉड गेज और स्टैंडर्ड गेज दोनों पर चार, छह और आठ कोच वाली लगभग 350 मेट्रो ट्रेनों का संचालित करती है। दिल्ली मेट्रो की ट्रेनें बड़े पैमाने पर शहरी कनेक्शन क्षेत्रों में दुनिया भर में सबसे एडवांस हैं। मैजेंटा लाइन पर दिल्ली मेट्रो नेटवर्क पर दिसंबर 2020 में ड्राइवरलेस का संचालन शुरू किया गया था।

पाकिस्तान बनाम इंगलैंडे : पहली बारी में मेहमान टीम ने 657 रन बनाकर बनाया रिकॉर्ड, 108 रन के साथ पाक की पारी जारी

रावलपिंडी (एजेंसी)। । इंग्लैंड की पूरी टीम शुक्रवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड वाले पहले टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 657 रन के स्कोर पर आउट हुई जबकि मेजबान टीम चाय तक बिना विकेट गंवाये 108 रन बना चुकी है। सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक और अब्दुल्ह शफीक दूसरे सत्र के ब्रेक तक अर्धशतक बना चुके हैं।

शफीक 101 गेंद में 54 और इमाम 97 गेंद में 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। लेकिन पाकिस्तानी टीम अब भी 549 रन से पिछड़ रही है। इमाम दूसरे सत्र में शुरू में ही आउट हो जाते लेकिन विकेटकीपर ओली पोप बायें हाथ के स्पिनर जैक लीच के पहले ओवर में उनका कैच नहीं ले पाये। पिच पर घास नहीं है जिससे न तो तेज गेंदबाज और न ही स्पिनर बल्लेबाजों को परेशान कर पा रहे हैं। पर इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में ज्यादातर समय स्पिनरों को ही खिलाने पर जोर दिया जिसमें अनुभवी जेम्स एंडरसन ने लंच के बाद केवल एक ओवर जबकि ओली रॉबिन्सन ने दो ओवर डाले।

इमाम और शफीक ने लीच की बायें हाथ की स्पिन के खिलाफ आत्मविश्वास से बल्लेबाजी की लेकिन वे आफ स्पिनर के खिलाफ आक्रामक दिखे जिन्होंने अपने 10 ओवर में 44 रन लुटाये। पाकिस्तान में 17 साल में पहला टेस्ट खेल रही ब्रिटेन की टीम ने पहले दिन 75 ओवर में चार विकेट पर 506 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था जिसमें उसके शीर्ष पांच में से चार बल्लेबाजों ने शतक जड़े। इंग्लैंड ने उसी रफ्तार से दूसरे दिन भी 151 रन जोड़े और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट पारियों में सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

इंग्लैंड का टेस्ट पारियों में पाकिस्तान के खिलाफ पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मैनचेस्टर में 2016 में रहा था जब उसने आठ विकेट पर 589 रन बनाये थे। पाकिस्तानी लेग स्पिनर जाहिद महमूद ने पदार्पण टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा रन लुटाने का रिकॉर्ड बनाया, उन्होंने 235 रन देकर चार विकेट झटके। इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका के ऑफ स्पिनर सूरज रणदीव के नाम था जिन्होंने 2010 में कोलंबो में भारत के खिलाफ 222 रन देकर दो विकेट लिए थे। पाकिस्तान की गेंदबाजी की समस्या भी बढ़ गयी है क्योंकि तेज गेंदबाज हारिस रऊफ अपने पैर में असहजता के कारण दूसरे दिन मैदान पर नहीं उतर सके।

रऊफ का पहले दिन क्षेत्ररक्षण करते हुए पैर मुड़ गया था और टीम का मेडिकल स्टाफ उनकी चोट पर निगरानी रखे है। पहले दिन इंग्लैंड के लिये जाक क्राउले, बेन डकेट, ओली पोप और हैरी ब्रुक शतक जड़े। टीम ने दूसरे दिन भी इसी लय में खेलना जारी

रखा। कप्तान बेन स्टोक्स ने 34 रन से खेलना शुरू किया और 41 रन बनाकर आउट हुए जबकि 101 रन पर खेलने उतरे ब्रुक ने महमूद के एक ओवर में 27 रन जड़े दिये जिसमें एक रिवर्स शॉट से लगा छक्का जड़ा। उन्होंने 116 गेंद में 153 रन बनाये जिसमें 19 चौके और पांच छक्के शामिल रहे।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में होगी रोहित-राहुल पर नजर, कमजोर टीम के खिलाफ फॉर्म में आने का अच्छा मौका

दोहा (एजेंसी)। टीम इंडिया फिलहाल बांग्लादेश दौरे पर है। एकदिवसीय विश्वकप से पहले भारत का बंग्लादेश दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले साल भारत में ही एकदिवसीय विश्व कप खेला जाना है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया फिलहाल बांग्लादेश पहुंच चुकी है। 4 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मुकाबला भी खेलेगी। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी होनी है। लेकिन सबकी निगाहें वनडे सीरीज पर होगी। बांग्लादेश सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वे फॉर्म में वापस आएंगे? टी20 विश्व कप के दौरान भी इन्हें संघर्ष करते हुए देखा गया था। इन दोनों खिलाड़ियों के पास कमजोर टीम के खिलाफ फॉर्म जाने का अच्छा मौका है।

अगर भारत को 2023 में विश्व विजेता बनना है तो कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल का फॉर्म में आना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में दोनों ही बल्लेबाजों का फॉर्म काफी खराब रहा है। इतना ही नहीं, वे पिच पर रन बनाने के लिए भी संघर्ष करते दिखाई दे रहे थे। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा ऋषभ पंत के लिए भी यह सीरीज काफी मायने रखता है। ऋषभ पंत का भी बल्ला सीमित ओवर के क्रिकेट में नहीं चल रहा है। वह लगातार फ्लॉप हो रहे हैं। ऐसे में उन पर भी सबकी निगाहें होंगी। वनडे सीरीज में ऋषभ पंत के अलावा ईशान किशन को भी विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है। ऐसे में ईशान किशन को लेकर भी संभावनाएं बनती दिखाई दे रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ कुछ नए खिलाड़ियों को भी आजमाने की कोशिश की जाएगी। रजत पाटीदार, राहुल त्रिपाठी, शाहबाज अहमद और कुलदीप सेन को एकदिवसीय मुकाबले में मौका दिया जा सकता है। इसके अलावा ईशान किशन को भी टीम में शामिल करने की कोशिश होगी ताकि 2023 के विश्वकप को लेकर इन खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके। 4 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला ढाका में खेला जाएगा जबकि 7 को दूसरा एकदिवसीय मुकाबला होगा और 10 दिसंबर को तीसरा मुकाबला खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहला टेस्ट 14 से 18 दिसंबर को चटगांव में होगा जबकि दूसरा टेस्ट 22 से 26 दिसंबर को ढाका में खेला जाएगा।

राष्ट्रीय निशानेबाजी में भाकर ने महिला 25 मीटर पिस्टल में जीता चार स्वर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन मनु भाकर ने गुरुवार को यहां 65वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत महिला और जूनियर महिला वर्ग में स्वर्ण जीता। भाकर ने इससे पहले इसी स्पर्धा के टीम वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीते थे। भोपाल में मध्य प्रदेश निशानेबाजी अकादमी परिसर में महिलाओं के स्वर्ण पदक मैच में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने वाली भाकर ने सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) की पुष्पांजलि राणा को 33-27 से हराया। भाकर ने इसके बाद जूनियर महिला खिताबी मुकाबले में राज्य की अपनी साथी विभूति भाटिया को 32-24 से हराकर व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दोहरा स्वर्ण हासिल किया। वह इससे पहले बुधवार को टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीत चुकी है। केरल के तिरुवनंतपुरम में वट्टियूरकावू निशानेबाजी परिसर में राइफल प्रतियोगिता की मिश्रित टीम स्पर्धा में पंजाब की समीक्षा ढींगरा और अर्जुन की जोड़ी ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और हर्षित बिंजवा पर 17-5 का आसान जीत दर्ज की। जूनियर मिश्रित टी स्पर्धा में हरियाणा की नैन्सी और गुरमुख की जोड़ी ने कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन और डेरियस की जोड़ी को 16-10 से हराया।

आईपीएल 2023 में लागू होगा नया नियम, अब मैच में खेल सकेंगे 15 खिलाड़ी,

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी आईपीएल के सीजन के लिए दिलचस्प नियम लागू करने का फैसला किया है। आईपीएल 2023 के लिए बीसीसीआई 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम लागू करने जा रही है। इस नियम को हाल ही में घरेलू क्रिकेट के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी लागू किया गया था। घरेलू क्रिकेट में सफलता के बाद इसे आईपीएल में लागू किया जाएगा। आईपीएल में ये नियम लागू होने से मैच का रुख कभी भी बदल सकेगा।

इसकी जानकारी आईपीएल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर शेयर कर दी गई है। इस संबंध में बीसीसीआई ने बयान भी दिया है। बयान में कहा गया कि बीसीसीआई इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लागू करना चाहता है। इसके जरिए आईपीएल के दौरान टीमें खेल की स्थिति के मुताबिक प्लेइंग इलेवन में एक सदस्य को बदल सकेंगी।

जानें क्या है इम्पैक्ट प्लेयर

इम्पैक्ट प्लेयर के नियम के मुताबिक टीमों को टॉस के समय प्लेइंग इलेवन के साथ चार अतिरिक्त खिलाड़ियों का भी नाम देना होगा। इन चार खिलाड़ियों में से कोई एक खिलाड़ी मैच के दौरान टीम का हिस्सा बन सकेगा। टीमें किसी भी पारी में 14 ओवर से पहले अपने इम्पैक्ट प्लेयर को शामिल कर सकेंगी। ये खिलाड़ी मैच के दौरान टीम की जरुरत के अनुसार गेंदबाजी या बल्लेबाजी कर सकेगा।

इस स्थिति में लागू नहीं होगा नियम

अगर किसी परिस्थिति में मैच 10 ओवर का खेला जाएगा तब इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू नहीं होगा। बता दें कि दिल्ली के ऑलराउंडर रितिक शौकीन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे पहले इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर शामिल किया गया था। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उन्होंने दिल्ली को मणिपुर के खिलाफ 71 रनों से जीत दिलाने में मदद की थी। उन्होंने इस मैच में 13 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

जानें कैसे बदलेगा मैच का रुख

इस नियम के मुताबिक टीमों को मैच के दौरान 11 की जगह 12 खिलाड़ियों का इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा। इस नियम के आने से टीमों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी अंतर देखने को मिल सकता है। इम्पैक्ट प्लेयर पूरे मैच का रुख बदलने में मददगार होगा। फील्डिंग कर रही टीम डगआउट में बैठे खिलाड़ी को चुन सकेगी। हालांकि मैच के दौरान कोई भी टीम इम्पैक्ट प्लेयर को इस्तेमाल करने के लिए बाध्य नहीं होगी। इसका उपयोग करने से पहले कप्तान, मुख्य कोच या टीम मैनेजर को मैच अधिकारियों को जानकारी देनी होगी।

मैच की कमेंट्री करने के दौरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को सीने में उठा तेज दर्द, अस्पताल में कराया गया भर्ती

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में आई खबरों के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को अस्पताल ले जाया गया है। पर्थ में ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन उन्हें सीने में दर्द और घबराहट महसूस हो रही थी। शुरूआत में रिपोर्ट ये भी आयी कि उन्हे दिल का दौरा पड़ा है लेकिन अभी रिकी पोंटिंग के किसी भी करीबी ने दिल का दौरा पड़ने की बात नहीं कही हैं। रिपोर्ट के मुताबित चैनल सेवन कमेंटेटर रिकी पोंटिंग ने दोपहर के खाना खाया था उसके बाद से ही उन्हें ठीक महसूस नहीं हो रहा था। वह मैच को छोड़ कर अपने रूम में चले गये थे। जहां उनकी तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 47 वर्षीय पोंटिंग ने स्वेच्छा से दिल का दौरा पड़ने जैसे लक्षणों को मेहसूस करने के एहतियात के तौर पर मदद मांगी थी। माना जाता है कि पोंटिंग की समस्या चक्कर आने से संबंधित है, वे आपात स्थिति के बजाय एहतियात के तौर पर हृदय परीक्षण के लिए अस्पताल गए।

ऋतुराज का ऐतिहासिक शतक हुआ बेकार, सौराष्ट्र ने जीती विजय हजारे ट्रॉफी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी 2022 के फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ के ऐतिहासिक शतक पर उस समय पानी फिर गया जब सौराष्ट्र ने 249 रन का लक्ष्य 46.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। महाराष्ट्र ने पहले खेलते हुए 9 विकेट के नुकसान पर 248 रन बनाए थे। जवाब में सौराष्ट्र ने शेल्डन जैक्सन के नाबाद 133 रनों की बदौलत पांच विकेट से जीत हासिल कर ली। इससे पहले महाराष्ट्र की शुरूआत खराब रही थी। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने पहले छह ओवर में सिर्फ पांच रन देकर महाराष्ट्र के ओपनिंग बल्लेबाजों पर लगाम लगा दी। इसी कारण पवन शाह 4 तो बचव 27 तो भवने 16 रन बनाकर आऊट हो गए। लेकिन एक छोर संभाले बैठे गायकवाड़ ने पहले अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर तेजी से खेलते हुए टीम को 248 रनों तक ले गए। आजिम काजी ने 37, नौशाद शेख ने 31, सौरभ ने 13 रनों का योगदान दिया। चिराग जानी ने 43 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि कप्तान उनादकट ने 10 ओवर में महज 25 रन देकर एक विकेट हासिल किया। जवाब में खेलने उतरी सौराष्ट्र ने हरविक देसाईं और शेल्डन जैक्सन की बदौलत मजबूत शुरूआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन जोड़े। हरविक ने 67 गेंदों पर 50 रन बनाए। जे गोहिल के 0 तो समर्थ व्यास के 12 और अर्पित वासुदेवा के 15 रन पर आऊट होने के बाद शेल्डन जैक्सन ने चिराग जानी के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी। जैक्सन ने 136 गेंदों में 12 चौके और पांच छक्कों की मदद से 133 तो चिराग जानी ने 25 गेंदों में 30 रन बनाए। बता दें कि सौराष्ट्र के लिए यह सीजन शानदार रहा है। उन्होंने 8 मैचों में 6 जीत हासिल कीं। महाराष्ट्र ने इस सीजन में 7 मैच खेले जिसमें छह में जीत तो फाइनल में उन्हें हार मिली। तमिलनाडु के एन जगदीशन ने टूर्नामेंट में 830 रन बनाए जोकि टूर्नामेंट के एक सीजन में सबसे ज्यादा स्कोर है। इसी तरह वासुकी कौशिक ने 9 मैचों में सर्वाधिक 18 विकेट हासिल कीं।

वजय हजारे ट्रॉफी : ये रहे सर्वाधिक रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज, गायकवाड़ छक्कों के मामले में आगे

सौराष्ट्र ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के दौरान महाराष्ट्र को 5 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। महाराष्ट्र ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 248 रन बनाए, जवाब में सौराष्ट्र ने इसे 46.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। इसी के साथ यह भी आंकड़े सामने आ गए कि टूर्नामेंट में किस खिलाड़ी ने कैसा प्रदर्शन किया। आइए जानें किन 5 बल्लेबाजों के नाम सबसे ज्यादा रन और चौके-छक्के रहे-

सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज-

1. तमिलनाडु के लिए एन जगदीशन- 8 मैचों में 138.33 की एवरेज से 830 रन
2. महाराष्ट्र के लिए रुतुराज गायकवाड़- 5 मैचों में 220.00 की एवरेज से 660 रन
3. तमिलनाडु के लिए साइ सुदर्शन- 8 मैचों में 76.25 की एवरेज से 610 रन
4. महाराष्ट्र के लिए अंकित बावने- 9 मैचों में 83.86 की एवरेज से 587 रन
5. आसाम के लिए रियान पराग- 9 मैचों में 69.00 की एवरेज से 552 रन

'कैंसर' की जंग लड़ रहे पेले ने प्रशंसकों की दुआओं के लिये धन्यवाद कहा

साओ पाउलो । ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले ने गुरूवार को दुनिया भर के खेल प्रेमियों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने कैंसर की लड़ाई के लिये उनके साओ पाउलो में अस्पताल में भर्ती किये जाने के बाद उनके लिये शुभकामनायें भेजी हैं। पेले के 'कोलोन ट्यूमर' का सितंबर 2021 में इलाज किया गया था। उनकी बेटी ने कहा था कि इसके उपचार के लिए मंगलवार को उन्हें यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब से उन्हें दुनिया भर से उन्हें इस बीमारी से जल्द ठीक होने वाले संदेश मिल रहे है जिसमें कतर विश्व कप से ब्राजील के कोच टिटे का संदेश भी शामिल है। पेले ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कतर की एक इमारत की फोटो लगायी है जिस पर उनके जल्द उबरने का संदेश (गेट वैल सून) लिखा है। उन्होंने लिखा, ''इस तरह के सकारात्मक संदेश मिलना हमेशा अच्छा होता है। इस संदेश के लिये कतर का शुक्रिया और उन सभी का भी जिन्होंने मुझे सकारात्मक संदेश भेजे हैं।'' टिटे ने शुक्रवार को कैमरून के खिलाफ टीम के मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पेले के जल्द ठीक होने की शुभकामना दी थी। पेले की बेटी केली नैसिमेंटो ने बुधवार को कहा था कि उनके 82 वर्षीय पिता के स्वास्थ्य के संबंध में कोई आपात स्थिति नहीं है।

फीफा विश्व कप : जापान और स्पेन के मुकाबले में हुआ विवादित गोल, इसने बदल दिया पूरा मैच

दोहा । जापान की टीम ने फीफा विश्व कप 2022 में एक दिसंबर को हुए अहम मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की। दूसरे हाफ के शुरू में दो दागकर गुरूवार को देर रात यहां स्पेन पर 2-1 की जीत से फीफा विश्व कप के राउंड 16 के लिये क्वालीफाई किया। इस मैच में जापान की टीम ने एक विवादित गोल भी किया जो लगातार चर्चा में बना हुआ है। इस प्रतियोगिता में ग्रुप ई की चारों टीमें नॉकआउट में जगह बनाने के लिए जुटी हुई थी। जापान को इस मैच में बने रहने के लिए जीतना बेहद जरूरी था। स्पेन के लिये अलवारो मोराटा ने 11वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी थी। स्पेन ने मैच की अच्छी शुरुआत की और 1-0 की बढ़त लेने में सिर्फ 12 मिनट का समय लिया। अलवारो मोराटा ने ये गोल किया था। लेकिन जापान ने रित्सु दोआन के 48वें मिनट में किये गये गोल से 1-1 की बराबरी हासिल की। वहीं जापान की इस जीत में वीएआर के फैसले ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद जापान के आओ टनाका ने जापान के लिए एक और गोल किया, जो मैच का फाइनल गोल साबित हुआ।

दूसरे गोल ने खिंचा ध्यान

मैच में जापान की टीम ने दो गोल दागे। जापान की ओर से किया गया दूसरा गोल ऐसा था जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खिंचा है। शुरुआत में माना जा रहा था कि गोल को अवैध माना जाएगा मगर ऐसा नहीं हुआ। दरअसल ऐसा लग रहा था कि जापान के काओरू मितामा के खेलने से पहले गेंद बाहर हो गई थी, मगर जांच में पता चला है कि ऐसा नहीं था। इसे लेकर सोशल मीडिया पर विवाद छिड़ा हुआ है। फैंस इस गोल की लगातार फोटो शेयर कर रहे हैं। फैंस ने वीडियो शेयर किया है जिसमें ऐसा लग रहा है कि फुटबॉल लाइन के बाहर है।

इस मैच में जीत हासिल कर जापान ग्रुप ई की शीर्ष टीम और स्पेन दूसरे नंबर की टीम बनी है। नॉक आउट क्लैश में स्पेन की टीम मोरक्को की टीम के साथ भिड़ेगी। इस बीच जर्मनी और स्पेन के अंक समान है। मगर जर्मनी की टीम ने फीफा में वर्ष 2010 के विश्व विजेताओं यानी स्पेन की टीम से कम गोल किए है।

विराट कोहली ही मेरी गेंद पर दो छक्के मार सकते थे, उनका क्लास अलग है, पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ का बयान

इस्लामाबाद(एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2022 के दौरान भारत और पाकिस्तान का ऐतिहासिक मैच सभी को याद होगा। यह मैच आखिर गेंद तक हार-जीत के दांव में फंसा था लेकिन विराट कोहली की शानदार पारी ने खेल को भारत के पक्ष में तब मोड़ दिया जब पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी हारिस राउफ गेंदबाजी करने रहे थे। पाकिस्तान के स्टार गेंदबाज हारिस रऊफ का मानना है कि अक्टूबर में टी20 विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की रोमांचक जीत में उन दो छक्कों के लिए विराट कोहली को छोड़कर विश्व क्रिकेट का कोई भी खिलाड़ी उनकी गेंद पर वो शॉट कोई नहीं खेल सकता था। विराट कोहली एक अलग स्तर के खिलाड़ी हैं इस लिए मुझे बुरा नहीं लगा था। अगर ऋषभ पंथ या हार्दिक पांड्या उस गेंद पर छक्का मारते तब में सोचता और परेशान होता कि आखिर मेरी गेंद में कहा कमी थी। विराट ही उस बॉल पर सिक्स मारने का दम रखते हैं। हारिस रऊफ ने विराट कोहली के बारे में यह बात उस वक्त कही जब उनसे ये सवाल पूछा गया कि विश्व कप में जब पाकिस्तान जीता हुआ मैच हारे और आपकी गेंद पर विराट कोहली ने मैच विनिंग छक्के मारे तो क्या उन्हें बुरा लगा था।

स्टार गेंदबाज हारिस रऊफ ने उस उन दो हिट्स के बारे में पहली बार एक पाकिस्तानी वेबसाइट से बात करते हुए, कहा कि अगर हार्दिक पांड्या या दिनेश कार्तिक ने उन्हें इस तरह से मारा होता, तो उन्हें 'आहत' महसूस होता। कोहली की 52 गेंदों में नाबाद 83 रनों की पारी को टी20 की सबसे बड़ी पारियों में से एक माना जाता है, जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को चार विकेट से हरा दिया। उन्होंने कहा, 'वह उनका (विराट कोहली) क्लास था और वह जिस तरह के शॉट खेलते हैं, और जो दो छक्के उन्होंने मारे, मुझे नहीं लगता कि कोई अन्य खिलाड़ी इस तरह के शॉट लगा सकता है। अगर दिनेश कार्तिक या हार्दिक पांड्या ने मुझे ऐसे मारा होता तो मुझे बुरा लग जाती लेकिन वह कोहली थे और वह अलग वर्ग के खिलाड़ी है। मुझे नहीं पता था कि वह (कोहली) मुझे इतनी लेंथ से जमीन पर मार सकते है। इसलिए जब उन्होंने मेरी गेंद पर छक्का मारा तो वह उसकी क्लास को दर्शा रहा था। मेरी योजना और क्रियान्वयन ठीक था लेकिन वह शॉट शानदार था।

रऊफ ने कहा देखिए, भारत को आखिरी 12 गेंदों में 31 रन चाहिए थे। मैंने चार गेंदों पर केवल तीन रन दिए थे। मुझे पता था कि नवाज आखिरी ओवर कर रहे हैं, वह एक स्पिनर हैं और मैंने उनके लिए कम से कम चार बड़ी बाउंड्री और कम से कम 20 से अधिक रन छोड़ने की कोशिश की थी।

सूरत की सिविल हॉस्पिटल में पहली बार ब्रेन डेड व्यक्ति के दाहिने हाथ का अनुदान किया गया

सूरत ।

डायमंड सिटी सिल्क सिटी के साथ -साथ ऑर्गन डोनर के रूप में नए नाम से भी सुरत जाना जाएगा सूरत शहर के नई सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टरों के सफल प्रयास के रूप में पहली बार सूरत नई सिविल हॉस्पिटल में ब्रेन डेड व्यक्ति का दाहिने हाथ का सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट किया गया सूरत से 1200किलोमीटर दूर कोची के अमृता हॉस्पिटल स्थित ले जाया गया।

सूरत शहर के उधना विस्तार के पासवा शॉपिंग सेंटर रोड पर रहने वाले आनंदा धनगर 30 नवंबर को शौच करने के लिए गए थे जहां वह बेहोश हो गए उन्हें तुरंत इलाज के लिए नई सिविल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। सीटी स्कैन रिपोर्ट के बाद पता चला कि मस्तिष्क में इंट्रावेंट्रिकुलर हैम्रेज हुआ है। तारीख 1 दिसंबर को उनका 20 को किया गया। सिविल के न्यूरो फिजिशियन डॉक्टर जय पटेल ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया। डॉ नीलेश काछड़िया ने आनंदा भाईदास धनगर के परिवार के लोगों तथा उनकी पत्नी साथ ही पुत्र को इस बात की जानकारी दी। फोटो में ऑर्गन डोनेशन की टीम ने उनके पुत्र विनोद कुमार तथा पत्नी सहित परिवार को अंगदान के विषय में जानकारी दी। सिविल के आरएमओ

डॉ केतन नायक डॉ नीलेश काचरिया अंगदान चैरिटेबल ट्रस्ट के दीक्षित त्रिवेदी ने उनके परिवार को अंगदान के विषय में संपूर्ण जानकारी दी। अमृता हॉस्पिटल की प्लास्टिक सर्जन संजय सैम्यूल और सिविल के नीलेश का चिड़िया ने आज 1:00 बजे दोपहर में अन्नदाता के बाएं हाथ का सफल ट्रांसप्लांट सर्जरी किया और एयर एंबुलेंस द्वारा सूरत एयरपोर्ट से 12 सौ किलोमीटर दूर केरल के कोच्चि शहर के अमृता हॉस्पिटल में पहुंचाया और सफल ट्रांसप्लांट किया गया।

अहमदाबाद के वटवा में क्राइम ब्रांच की टीम ने हार्दिक पटेल को शराब के साथ गिरफ्तार किया

अहमदाबाद।

मतदान के दौरान पुलिस द्वारा सघन चेकिंग की गई है। वहीं पुलिस यह भी सुनिश्चित करने में जुटी है कि राजनीतिक दलों से जुड़े लोग अलग-अलग इलाकों में शराब की तस्करी न करें। आज अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने हार्दिक पटेल नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है. उनके वटवा इलाके में आम आदमी पार्टी के संयोजक होने की बात सामने आई है। फिलहाल अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने उसके खिलाफ मामला दर्ज करने की कार्रवाई की है।

अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस द्वारा सघन चेकिंग की जा रही है

गुजरात में पहले चरण का मतदान पूरा होने के बाद अब दूसरे चरण की मतगणना में कुछ दिन बचे हैं, अहमदाबाद हो या अन्य इलाके सभी जगहों पर पुलिस द्वारा सघन चेकिंग की गई है। साथ ही कहीं भी अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन सबके बीच अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने आम आदमी पार्टी के संयोजक को गिरफ्तार किया है।

शराब के साथ हार्दिक पटेल गिरफ्तार

हार्दिक पटेल नाम के इस शख्स को वटवा इलाके से छह बोतल शराब के साथ पकड़ा गया है। इस संबंध में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के एसीपी भरत पटेल ने दिव्य भास्कर को बताया कि हार्दिक पटेल को हमने शराब के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

हजीरा में रात को टहलने निकले एक युवक की सरपंच ने पीट-पीटकर हत्या कर दी गई

सूरत।

सूरत के हजीरा इलाके के पटेल पालिया में रहने वाला लखन पटेल नाम का युवक रात में अपने इलाके में घूमने निकला था।इसी बीच मामूली सी बात को लेकर सरपंच से झड़प हो गई। इसलिए सरपंच के परिवार ने उसकी पिटाई की, जिसका किस्सा सामने आया है। युवक की मां ने सरपंच व उसके परिजनों के खिलाफ हजिरा थाने में शिकायत दर्ज कि है।

हजीरा क्षेत्र के पटेल पालिया में रहने वाला लखन पटेल रात में जमीन पर गांव में घूमने गया था। रात करीब 10:30 बजे के बाद किसी कारणवश गांव के सरपंच व उनके परिवार से कहासुनी हो गई। निशाल पलिया में रहने वाले धनसुखभाई पटेल और उसके परिवार ने लखन को पीट-पीटकर मार डाला। लकड़ी के डंडे से पीटने के बाद

उसे ठेले से बांधकर फेंक दिया गया। यह पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गया।

जैसे ही उन्हें सूचना मिली कि धनसुखभाई गांव के सरपंच और उनके परिवार ने उनके बेटे को पीटा है, लखन का परिवार भी वहां पहुंच गया। आपको पता चला कि उसने सरपंच की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए हैं, तो उसकी पिटाई की गई।

सूरत में 13वी मंजिल पर अचानक लिफ्ट रुकने से महिला को दीवार तोड़कर बाहर निकाला गया

सूरत।

सूरत के सारोली इलाके में मॉडर्न टाउनशिप की लिफ्ट अचानक बंद हो जाने से एक महिला 13 वीं मंजिल पर फस गई। लिफ्ट बंद होने पर दमकल विभाग को सूचना दी गई बिल्डिंग की 13 वीं मंजिल पर लिफ्ट में फंसी महिला को दमकल विभाग ने बचा लिया। दमकल विभाग को लिफ्ट के बगल की दीवार तोड़कर महिला को बाहर निकालना पड़ा। सूरत सारोली स्थित मॉडल टाउन रेजीडेंसी में चल रही लिफ्ट अचानक रुक गई दाना बेन भगवान भाई चौधरी नाम की 48 वर्षीय महिला इमारत की 13वीं मंजिल पर फस गई थी। अचानक लिफ्ट बंद होने से महिला फस गई इसे लेकर वे डर गई और चिल्लायी जिससे बिल्डिंग में रहने वाले लोग जमा हो गए। फिर महिला को लिफ्ट से बाहर निकालने के कई प्रयास किए गए। हालांकि महिला को लिफ्ट से बाहर निकालने का कोई रास्ता नहीं था इमारत के निवासियों ने दमकल विभाग को घटना के बारे में सूचित किया । ईमारत के निवासियों द्वारा दमकल विभाग को सूचना देने के कुछ ही समय बाद डोभाल फायर स्टेशन की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर महिला को लिफ्ट से बाहर निकालने का प्रयास किया हालांकि फायर टीम द्वारा भी लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुल पाया और लिफ्ट

अपनी जगह पर अटकी रही। वहां तक पहुंचने में कोई सफलता नहीं मिली फायर विभाग द्वारा लिफ्ट के बगल वाली दीवार को तोड़ने का निर्णय लेना पड़ा , फायर विभाग की टीम ने महिला को बचाने और लिफ्ट से बाहर निकालने के लिए तुरंत लिफ्ट के बगल की दीवार तोड़ दी फायर विभाग की टीम दीवार में बड़ा छेद कर महिला तक पहुंच गई। काफी मशक्कत के बाद महिला को लिफ्ट से निकालकर बाहर लाया गया। महिला को सकुशल बचा लिए जाने से वहां मौजूद सभी लोगों ने राहत की सांस ली और फायर विभाग के कार्य की सराहना की।

कोर्निंग ने कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 के साथ मजबूती बढ़ाई

आज कोर्निंग इन्कॉर्पोरेटेड ने अपने नए ग्लास इनोवेशन, कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 का अनावरण किया। अपने कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास पोर्टफोलियो का विस्तार कर कोर्निंग ग्लास की सीमाएं बढ़ा रहा है। नए ग्लास कंपोज़िशन के साथ गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 विश्व की सर्वाधिक इंजीनियर्ड सामग्री, कॉन्क्रीट जैसी कठोर सतहों पर बेहतर ड्रॉप परफॉर्मेंस प्रदान करता है, तथा गोरिल्ला ग्लास विक्टस की स्क्रैच रज़िस्टैंस को भी बनाए रखता है।

डेविड वेलास्क्वेच, वाईस प्रेसिडेंट एवं जनरल मैनेजर, कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास ने कहा, ''स्मार्टफोन हमारे डिजिटल जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और स्पष्ट, डैमेजफ्री डिस्प्ले पर हमारी बढ़ती निर्भरता के साथ बेहतरीन स्क्रैच एवं ड्रॉप रज़िस्टैंस की जरूरत बढ़ी है।'' उन्होंने कहा, ''सतह का महत्व है, और कॉन्क्रीट जैसी कठोर सतहें हर जगह मौजूद हैं।'' कोर्निंग की विस्तृत अनुसंधान में सामने आया है कि चीन, भारत और अमेरिका जैसे तीन सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजारों में 84 प्रतिशत उपभोक्ता स्मार्टफोन ब्रांड के बाद मजबूती को सबसे महत्वपूर्ण गुण मानते हैं।

वेलास्क्वेच ने कहा, ''हमने अपने वैज्ञानिकों को न केवल एक ऐसा ग्लास कंपोज़िशन बनाने की चुनौती दी, जो बहुत मजबूत हो और डामर जैसे कठोर सतहों पर कमर की ऊँचाई से गिरने पर भी सुरक्षित रहे, बल्कि बड़ी और भारी डिवाईसेज़ के लिए बेहतर कवर ग्लास परफॉर्मेंस भी प्रदान करे।'' उन्होंने आगे बताया, ''ज्यादा जटिल और विविध डिज़ाईन के साथ आज के स्मार्टफोन चार साल पहले के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत ज्यादा भारी हैं, और स्क्रीन साईज़ 10 प्रतिशत ज्यादा बड़ा है, जिससे कवर ग्लास पर दबाव और डैमेज होने की संभावना बढ़ गई है। गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 उपभोक्ताओं और ओईएम को ज्यादा मजबूती प्रदान करेगा।''

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अचानक से मांडवी गेट के पास रोड शो रोककर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए

वड़ोदरा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज वड़ोदरा में प्रतापनगर रोड स्थित अप्सरा सिनेमा से जुबली बाग तक रोड शो किया। अमित शाह के रोड शो की शुरुआत प्रतापनगर रोड से हुई। हालांकि, रोड शो खत्म होने से पहले ही वे मांडवी गेट पर रोड शो बीच में ही छोड़कर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए. लिहाजा वडोदरा के बीजेपी

रोड शो अधूरा छोड़ गए अमित शाह

राज्य की 89 सीटों पर पहले चरण का मतदान गुरुवार को संपन्न हो गया और राजनीतिक दलों का अब बाकी बची 93 सीटों पर ध्यान केंद्रित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वड़ोदरा

अमित शाह को मिली लोगों की वाहवाही रोड शो में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

अमित शाह का रोड शो प्रतापनगर से मांडवी, फतेपुरा से कोयली पालिया और वहां से जुबली बाग तक होना था। हालांकि, रोड शो खत्म होने से पहले ही वह मांडवी में रोड शो बीच में ही छोड़कर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। वह अहमदाबाद पहुंचेंगे और चांदखेड़ा इलाके में सभा को संबोधित करेंगे। शाम 4 बजे अमित शाह को वडोदरा में रोड शो करना था, लेकिन वह करीब 3 घंटे देरी से पहुंचे। लिहाजा रोड शो देर से शुरू हुआ और बीच में ही रुक कर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गया।

अमित शाह जब अस्पताल से लौट रहे थे तो उनके समर्थक परेशान थे। अमित शाह की समर्थक काजल गायकवाड़ ने कहा, हम शाम चार बजे से उनका इंतजार कर रहे थे, लेकिन उनके आने से हम दुखी हैं।

कांग्रेस का पहले चरण में गुजरात में 89 में से 55 सीटें जीतने का दावा

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा चुनाव का पहला चरण पूरा होने के दूसरे दिन कांग्रेस ने बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। पहले चरण में 89 सीटों के लिए हुए मतदान में कांग्रेस ने 55 सीटें जीतने का दावा किया है। इतना ही नहीं कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अहमदाबाद में कहा कि गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनेगी और लोगों ने बीजेपी को अपना समर्थन दिया है. जबकि एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने यह कवायद भी शुरू कर दी है कि कैबिनेट में कौन-कौन से चेहरे होंगे.

'बीजेपी के बागियों से कांग्रेस को फायदा'

कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने तो पत्रकारों के सामने यहां तक दावा कर दिया था कि बीजेपी के लोगों से बीजेपी हार रही है। एंटी इनकंबेंसी फैक्टर को दूर करने के लिए जिन लोगों का बीजेपी ने इस बार टिकट काटा, उन्होंने कल कांग्रेस को खूब फायदा पहुंचाया. भाजपा के बागियों के साथ-साथ जिनके टिकट काटे गए हैं, उन्होंने भी कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। इसलिए कांग्रेस प्रत्याशी की जीत तय है।

आलोक शर्मा ने दावा किया कि पहले चरण में जिस तरह से कांग्रेस को न केवल गांवों में बल्कि शहरी इलाकों में भी लोगों का समर्थन मिला, उससे भाजपा नेताओं को झटका लगा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता अमित शाह ने कल रात दो बजे तक भाजपा पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं की क्लास ली। शर्मा ने यह भी कहा कि उनकी आंखें लाल और सूजी हुई थीं क्योंकि उन्होंने इस चुनाव में बीजेपी के संगठन और पेजेंट की रणनीति की पूरी तरह से विफलता पर गुस्सा व्यक्त किया था।

अमरेली के मोटा आंकडिया गांव के पास एक इनोवा कार संतुलन खोकर 8 फीट खाई में जा गिरी

सूरत।

अमरेली जिले में आए दिन छोटी बड़ी दुर्घटना की घटनाएं सामने आ रही हैं। हादसा अमरेली तालुका के मोटा आंकड़िया और अमरापुर के बीच हुआ है।

इस हाइवे पर जब इनोवा कार पूरी रफ्तार से जा रही थी तो इनोवा में एक ही चालक था और तेज गति के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया जिससे आठ फीट दूर सड़क किनारे जा गिरी और अन्य वाहनों से जा टकराई। इनोवा खाई में गिरने से चालक को मामूली चोटें आई और इनोवा कार क्षतिग्रस्त हो गई।

उधर, स्थानीय चालकों ने आसपास के लोगों को दौड़ाकर इनोवा कार चालक को बाहर निकाला।

छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं

अमरेली जिले में कई राजमार्ग जर्जर हैं, जिससे दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। साथ ही चालक दो तरह से वाहन चला रहे हैं, जिससे संतुलन बिगड़ने से दुर्घटनाएं हो रही हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)